RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री

एनसीआर
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री

बुधवार 10 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :05 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 33 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 वोट चोरी का जिन्न और सवाल जिम्मेदारी का

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 326 | गाजियाबाद, बुधवार 10 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 · CBDC · Paytm · Cred · PhonePe · Google Pay
e₹ DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

जमीन पर मजबूती ही जीत की कुंजी रहेगीः सेना प्रमुख

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को किसी भी युद्धक्षेत्र में थल सेना की प्रधानता पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत के संदर्भ में जमीन पर मजबूत पकड़ जीत की कुंजी रहेगी। यहां एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में उन्होंने किसी भी युद्ध में थल सेना के महत्व पर ज़ोर दिया और पिछले महीने अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच यूक्रेन संघर्ष पर हुई शिखर वार्ता का ज़िक्र किया। द्विवेदी ने कहा, ''जब आप दोनों राष्ट्रपतियों के बीच हुए अलास्का सम्मेलन पर गौर करते हैं, तो उन्होंने सिर्फ इस बात पर चर्चा की थी कि कितनी ज़मीन का आदान-प्रदान करना होगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत में, चूंकि हमारे सामने ढाई मोर्चों पर खतरा है, इसलिए जमीन पर मजबूती ही जीत की कुंजी बनी रहेगी।'' सेना प्रमुख की यह टिप्पणी एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह के उस बयान के दो सप्ताह बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक बार फिर वायु सेना की शक्ति की ''प्रधानता'' स्थापित कर दी है। सेना प्रमुख ने युद्ध की बदलती प्रकृति और भारतीय सेना द्वारा नई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों को शामिल करने के संदर्भ में परिवर्तनकारी बदलावों पर भी विश्तार से बात की।

सीबीआई ने व्यापम घोटाला मामले में भगोड़े आरोपी को गिरफ्तार किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने व्यापम घोटाला मामले में एक भगोड़े आरोपी को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने पीसीआरटी 2013 परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों के संबंध में उक्त आरोपी के खिलाफ 15.09.2013 को मामला दर्ज किया था। आरोपी अभ्यर्थी की ओर से परीक्षा में शामिल हुआ था और उसे पहले मध्य प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया था। हालाँकि, जून 2017 में सीबीआई द्वारा आरोप पत्र दाखिल करने पर आरोपी पेश नहीं हुआ और तब से फरार था। जुलाई 2018 में उसे औपचारिक रूप से भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। उसे खोजने के कई प्रयासों के बावजूद, आरोपी का पता नहीं चल पाया। हाल ही में, सीबीआई ने तकनीकी खुफिया जानकारी का उपयोग करके महत्वपूर्ण सुराग जुटाए, जिससे उसकी पहचान की पुष्टि हुई और हरिद्वार, उत्तराखंड में उसके स्थान का पता चला। इस खुफिया जानकारी पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, सीबीआई की एक टीम ने उसे सफलतापूर्वक खोज निकाला।

सी पी राधाकृष्णन उप राष्ट्रपति निर्वाचित घोषित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन देश के नये उप राष्ट्रपति चुने गये हैं। श्री राधाकृष्ण ने उप राष्ट्रपति के पद के चुनाव के लिए मंगलवार को संसद भवन में हुए मतदान में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरीयता के 152 मतों से हराया।

निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने मतगणना के बाद श्री राधाकृष्णन को उप राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित घोषित किया। उन्होंने बताया कि कुल 781 मतों में से 767 मत पड़े जिनमें से श्री राधाकृष्णन को प्रथम वरियता के आधार पर 452 मत मिले जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी श्री रेड्डी को प्रथम वरियता के 300 मत मिले। उन्होंने कहा कि 15 मत अवैध घोषित किये गये।

श्री मोदी ने बताया कि चुनाव में 98.2 प्रतिशत मतदान हुआ। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान सुबह दस बजे शुरू हुआ था और पांच बजे संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि दोनों उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मतगणना छह बजे शुरू हुई। पहले मतों की वैधता की जांच की गयी जिसमें 15 मत अवैध पाये गये इनमें एक सांसद द्वारा डाक से भेजा गया एक मत भी शामिल है।

उप राष्ट्रपति चुनाव के निर्वाचक मंडल में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य होते हैं। इस चुनाव में निर्वाचक मंडल के सदस्यों की कुल संख्या 781 थी जिनमें लोकसभा के 442 और राज्यसभा के 239 सदस्य हैं। जीत के लिए प्रथम वरीयता के 377 मतों की जरूरत थी। श्री राधाकृणन को प्रथम वरीयता के 452 मत मिले जो दोनों सदनों में राजग सदस्यों की कुल संख्या से अधिक हैं। बीजू जनता दल, भारत राष्ट्र समिति तथा शिरोमणि अकाली दल ने पहले ही मतदान में शामिल नहीं होने की घोषणा कर दी थी।

मोदी ने राधाकृष्णन को दी बधाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री सी पी राधाकृष्णन को उप राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर बधाई दी है। श्री मोदी ने एक बधाई संदेश में कहा कि श्री राधाकृष्णन का जीवन सदैव समाज की सेवा और गरीबों एवं वंचितों के सशक्तिकरण को समर्पित रहा है।

उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि श्री राधाकृष्णन देश के एक बेहतरीन उप राष्ट्रपति होंगे। वह हमारे संवैधानिक मूल्यों और संसदीय संवाद को मजबूत करेंगे।' गौरतलब है कि श्री राधाकृष्णन को आज उप राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित घोषित किया गया है। उन्होंने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी को पराजित किया।

नेपाली प्रधानमंत्री ओली का इस्तीफा

✷ वेबवार्ता. काठमांडू ✷

नेपाल में बड़े पैमाने पर हो रहे उग्र प्रदर्शनों को देखते हुए प्रधानमंत्री केपी

शर्मा ओली ने मंगलवार को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। नेपाली मीडिया के अनुसार प्रधानमंत्री कार्यालय ने उनके त्यागपत्र की पुष्टि की है।

देश में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफ सोमवार को कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। प्रदर्शनकारी कई स्थानों पर उग्र हो गए और उन्होंने आगजनी, तोड़फोड़ और पथराव किया। पुलिस की कार्रवाई में कल 20 लोगों की मौत हो गई थी और 350 लोग घायल हो गए थे।

इससे पहले गृहमंत्री रमेश लेखक ने सोमवार को गोलीबारी की घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। इसके अलावा तीन और मंत्रियों ने आज पद से इश्तीफा दे दिया था। श्री ओली ने आज सुबह घोषणा की थी कि शाम को सर्वदलीय बैठक बुलाई जायेगी।

प्रदर्शनकारी श्री ओली के इश्तीफे की मांग को लेकर आज सड़कों पर उतर आये थे। इसके बाद श्री ओली ने इश्तीफा दे दिया।

प्रदर्शन का सिलसिला आज भी जारी है और बड़ी संख्या में लोग संसद भवन में घुस गए और आगजनी की। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के निजी आवासों को भी निशाना बनाया और आगजनी की।

उप राष्ट्रपति चुनावः मोदी, सोनिया, राहुल, राजनाथ सहित कई नेताओं ने किया मतदान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उप राष्ट्रपति पद के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित कई नेता मतदान कर चुके हैं। उप राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव के लिए मतदान बुधवार को पूर्वाह्न 10 बजे प्रारम्भ हुआ और सबसे पहले श्री मोदी ने मतदान किया।

वह वोट डालने के लिए जब संसद भवन पहुंचे, तो उनके साथ संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह और नागरिक विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नितिन गडकरी, जी किशन रेड्डी, रवनीत सिंह बिट्टू ने भी मतदान कर दिया है। इसके साथ ही सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी वोट डाल दिया है। इसके अलावा सांसद बांसुरी स्वराज, रामवीर बिधूड़ी, मनोज तिवारी, केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा और सांसद कमलजीत सहरावत ने भी मतदान कर दिया है।

उप राष्ट्रपति के चुनाव में लोक सभा के 542 मौजूदा सदस्य और राज्य सभा के 239 मौजूदा सदस्य ही वोट कर सकेंगे। इस तरह निर्वाचन मंडल में इस समय 781 सदस्य हैं और किसी भी उम्मीदवार को जीतने के लिए कम से कम 391 वोटों की आवश्यकता है। मतदान पूर्वाह्न 10 बजे से शाम पांच बजे तक होगा और मतों की गिनती शाम छह बजे से होगी।

उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन को जबकि इंडिया गठबंधन ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश रहे बी सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है। लोक सभा और राज्य सभा में संख्या बल के आधार पर राजग को स्पष्ट बहुमत होने के कारण उसके उम्मीदवार का पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है।

लोकसभा की कुल सदस्य संख्या 543 है, लेकिन एक सीट खाली होने की वजह से मतदान में 542 सदस्य हिस्सा ले सकेंगे। राज्यसभा में कुल सदस्य संख्या 245 है, जबकि छह सीटें खाली हैं, जिसकी वजह से 239 सदस्य ही वोट कर सकते हैं। इस तरह मतदान के पात्र सदस्यों की कुल मौजूदा संख्या 781 है। दोनों सदनों में संख्या बल और राजनीतिक समीकरण को देखते हुये राजग के लोक सभा में 293 और राज्य सभा में कम से कम 134 सांसद हैं। इससे राजग के पास कम से कम 427 वोटों का ठोस आंकड़ा है, जो बहुमत के लिए जरूरी 391 वोटों के आंकड़े से बहुत अधिक है। इस तरह राजग उम्मीदवार श्री राधाकृष्णन के जीतने की प्रबल संभावना है।

इंडिया गठबंधन के लोकसभा में 249 और राज्यसभा में 105 सांसद हैं। इस तरह गठबंधन के कुल 354 वोट होते हैं, जो बहुमत के लिए आवश्यक आंकड़े 391 से कम हैं।

उप राष्ट्रपति चुनाव की अधिसूचना सात अगश्त को जारी की गयी थी। नामांकन दाखिल करने के लिए 21 अगश्त तक का समय था, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 22 अगश्त को की गयी थी। इसमें नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगश्त तारीख थी।

शिक्षण संस्थान केवल अक्षर ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैः सीएम

✷ वेबवार्ता. बस्ती ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बसहवा का भूमि पूजन, शिलान्यास, पौधरोपण व पुश्तक का विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि आजादी के पांच साल के बाद जब तत्कालीन सरकारें इस दिशा में प्रयास नहीं कर पाईं, तब नाना जी ने गोरखपुर से इस प्रयास को बढ़ाया था। उसके पीछे का ध्येय था कि भारत, भारतीयता, परंपरा, संस्कृति और मातृभाव से ओतप्रोत ऐसे शिक्षण संस्थान की स्थापना आवश्यक है, जो देश को फिर से विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने में योगदान दे सके। इसकी शुरुआत शिक्षा के मंदिरों से ही होती है।

उन्होंने कहा, "शिक्षण संस्थान केवल अक्षर ज्ञान के माध्यम ही नहीं, बल्कि बालक के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं। शिक्षा यदि संस्कार, मूल्यों-आदर्शों, मातृभूमि, महापुरुषों, राष्ट्रीयता के प्रति समर्पण का भाव पैदा नहीं कर पा रही है तो वह कुशिक्षा और भटकाव है। आजादी के तत्काल बाद उसका समाधान सरस्वती शिशु मंदिर से प्रारंभ हुआ।"

आरएसएस के तत्कालीन प्रचारक नानाजी देशमुख के नेतृत्व में सरस्वती शिशु मंदिर की पहली शाखा गोरखपुर में स्थापित की गई थी। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के मातृभूमि होने का सौभाग्य गोरक्ष प्रांत को प्राप्त है। विद्या भारती के अंतर्गत संचालित हजारों शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान राष्ट्र निर्माण के जिस अभियान के साथ जुड़े हैं, उसकी ताकत देश-दुनिया समझती है।

सीएम योगी ने कहा कि पाठ्यक्रम सरकार तैयार करती है। सरकार सहयोग करे या न करे। बिना सरकार की सहायता के अपने दम और स्वयंसेवकों के सहयोग से भारतीयता के प्रति अनुराग रखने वाले नागरिकों के माध्यम से सरस्वती शिशु मंदिर ने इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। गोरखपुर के पक्कीबाग में जब पहला सरस्वती शिशु मंदिर स्थापित हुआ तो उस समय मात्र पांच छात्र थे, लेकिन आज शिशु मंदिर के 12 हजार विद्यालय हैं। यह संस्थान बच्चों के अंदर भारत व भारतीयता के प्रति नागरिक के रूप में कर्तव्यों का बोध कराने और सुयोग्य नागरिक बनाने के लिए राष्ट्रीय दायित्व का ईमानदारी से निर्वहन कर रहा है।

उन्होंने कहा, "सरस्वती शिशु मंदिर से निकले छात्र समाज को नेतृत्व भी दे रहे और मार्गदर्शन भी कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि देश के समर्थ, आत्मनिर्भर व शक्तिशाली होने की शुरुआत शिक्षा से होती है।

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय का दिल्ली हाई कोर्ट से प्रचार और व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा का आग्रह

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से उनके व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करने और लोगों को अनधिकृत रूप से उनके नाम, तस्वीरों और एआई निर्मित अश्लील सामग्री का उपयोग करने से रोकने का आग्रह किया।

न्यायमूर्ति तेजस करिया ने मौखिक रूप से संकेत दिया कि वह प्रतिवादियों को चेतावनी देते हुए एक अंतरिम आदेश पारित करेंगे। राय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने कहा कि अभिनेत्री अपने प्रचार और व्यक्तिगत अधिकारों का इश्तेमाल करना चाहती हैं। उन्होंने तर्क दिया कि कुछ पूरी तरह से अवाश्तविक अंतरंग तस्वीरें इंटरनेट पर प्रसारित की जा रही हैं। सेठी ने तर्क दिया, ''उनकी (राय) तस्वीर, पसंद या व्यक्तित्व का उपयोग करने का आरोपियों के पास कोई अधिकार नहीं हो सकता। एक सज्जन केवल मेरे नाम और चेहरे से पैसे बना रहे हैं।''

अधिवक्ता सेठी ने कहा, ''उनका नाम और पसंद किसी की यौन इच्छाओं की पूर्ति के लिए इश्तेमाल की जा रही है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।'' राय की ओर से पैरवी करने वाले अधिकवक्ताओं में प्रवीन आनंद और ध्रुव आनंद भी शामिल हैं। उच्च न्यायालय ने मामले को आगे की कार्यवाही के लिए सात नवंबर को संयुक्त रजिस्ट्रार के समक्ष और 15 जनवरी 2026 को अदालत के समक्ष सूचीबद्ध किया।

मिशन मानव हित | **पर्यावरण को लेकर आईसी की 18वीं बैठक दिल्ली में आयोजित**

एनसीएपी समिति ने दिल्ली, नोएडा को प्रदूषण नियंत्रण निधि के उपयोग में तत्काल सुधार लाने को कहा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की निगरानी कर रही एक केंद्रीय समिति ने प्रदूषण नियंत्रण निधि के उपयोग में पिछड़े दिल्ली के नगर निकायों और नोएडा प्रशासन को तत्काल सुधारात्मक उपाय करने का निर्देश दिया है। यह फैसला 21 अगश्त को एनसीएपी के तहत कार्यान्वयन समिति (आईसी) की 18वीं बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अध्यक्ष ने की।

इस बैठक में कार्यक्रम के क्रियान्वयन की समीक्षा और निगरानी की गई। हाल में प्रकाशित बैठक के विवरण के अनुसार, समिति ने कहा कि "सभी कार्यान्वयन एजेंसियों को निधि के उपयोग में तेजी लानी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह किसी भी शहर में 75 प्रतिशत से कम न हो।"

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जनवरी 2019 में शुरू किए गए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) का उद्देश्य 24 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 130 शहरों (गैर-प्राप्ति शहरों और दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों) में वायु गुणवत्ता में सुधार लाना है। यह एक बहु-क्षेत्रीय पहल है जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों, शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) और अन्य हितधारकों के समन्वित प्रयास शामिल हैं।

एनसीएपी के तहत 130 शहरों में से दस लाख से अधिक आबादी वाले 48 शहरों/शहरी समूहों को वायु गुणवत्ता प्रदर्शन अनुदान के रूप में 15वें वित्त आयोग के 'मिलियन-प्लस सिटी चैलेंज फंड' के तहत वित्त पोषित किया जाता है, और शेष 82 शहरों को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की प्रदूषण नियंत्रण योजना के तहत वित्त पोषित किया जाता है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला है कि कार्यक्रम की शुरुआत से 130 शहरों को आवंटित कुल 13,236.77 करोड़ रुपये में से 18 अगश्त तक केवल 9,585 करोड़ रुपये (72.4 प्रतिशत) का ही उपयोग किया गया था। आंकड़ों के अनुसार, नोएडा (उत्तर प्रदेश) ने अपने आवंटन का केवल 11.14 प्रतिशत, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) ने 30.51 प्रतिशत और दिल्ली ने 32.65 प्रतिशत उपयोग किया।

विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश) ने 41.09 प्रतिशत, जालंधर (पंजाब) ने 43.51 प्रतिशत, गुलबर्गा (कर्नाटक) ने 43.7 प्रतिशत, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) ने 44.12 प्रतिशत और जमशेदपुर (झारखंड) ने 44.24 प्रतिशत खर्च किया।उज्जैन (मध्यप्रदेश), गया (बिहार), शिवसागर (असम), दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल), कलिंग नगर (ओडिशा), नलबाड़ी (असम), जलगांव (महाराष्ट्र), फरीदाबाद (हरियाणा), नागपुर (महाराष्ट्र), रांची (झारखंड), हैदराबाद (तेलंगाना) और बेंगलुरु (कर्नाटक) सहित 12 अन्य शहरों और शहरी समूहों का निधि उपयोग 75 प्रतिशत से नीचे रहा।

भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने काठमांडू की सभी उड़ानें रद्द की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

नेपाल में बिगड़े हालात के मद्देनजर भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने काठमांडू के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि एयरलाइंस ने दिल्ली और काठमांडू के बीच आज की अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं।

उन्होंने एक बयान में कहा कि एयरलाइंस स्थिति पर नजर रखे हुये है और आगे अपडेट साझा किये जायेंगे। एयर इंडिया की दिल्ली से काठमांडू के लिए आज चार उड़ानें थीं जिन्हें रद्द कर दिया गया है। वापसी की उड़ानें भी रद्द कर दी गयी हैं। किफायती विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में बताया कि उसने काठमांडू में मौजूदा स्थिति और वहां हवाई अड्डे को बंद किये जाने के मद्देनजर काठमांडू के लिए और वहां से आने वाली अपनी सभी उड़ानें फिलहाल निलंबित कर दी हैं।

उसने बताया कि घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है और एयरलाइंस जल्द से जल्द सेवा दोबारा शुरू करने के लिए अधिकारियों के संपर्क में है। काठमांडू के लिए सेवा देने वाली तीसरी कंपनी स्पाइसजेट ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

नेपाल की राजधानी के लिए उसकी आज कोई उड़ान नहीं थी। एयरलाइंस के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया कि बुधवार की उड़ान के बारे में अभी कोई फैसला नहीं किया गया है।

संपत्ति कर जमा करने के लिए छूट का अंतिम मौका

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। नगर निगम अलीगढ़ द्वारा सम्पत्ति कर जमा करने की जा रही छूट को देखते हुए महापौर प्रशांत सिंघल व नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने संपत्ति कर जमा करने के लिए दी जा रही छूट को सितंबर 2025 में दिए जाने व आगामी द्वितीय शनिवार व रविवार को भी नगर निगम हाउस टैक्स काउंटर को खोले रखने के लिए कहा है। नगर निगम अलीगढ़ द्वारा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सम्पत्ति कर जमा करने पर विशेष छूट योजना की घोषणा की गई है। महापौर एवं नगर आयुक्त के निर्देशानुसार वर्तमान वित्तीय वर्ष में करदाताओं को प्रोत्साहित करने हेतु माह सितम्बर 2025 तक ऑनलाइन माध्यम से कर जमा करने पर 12 प्रतिशत एवं ऑफलाइन माध्यम से कर जमा करने पर 10 प्रतिशत की छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। नगर आयुक्त ने सभी करदाताओं से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि के भीतर अपने बकाया करों का भुगतान करें और घोषित छूट योजना का लाभ उठाएं। यह छूट केवल माह सितम्बर 2025 तक ही मान्य होगी, अतः समय पर कर जमा कर नागरिक न केवल आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे बल्कि शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान भी देंगे। महापौर प्रशांत सिंघल ने अलीगढ के सभी शहरवासियों से आग्रह किया गया है कि गृहकर में छूट पाने का अंतिम मौका है। अब इसके बाद कोई समय सीमा नहीं बढ़ाई जाएगी।

नई एलईडी स्ट्रीट लाइट से जगमगायेगी शहर की सड़कें

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। नगर निगम द्वारा सभी 90 वार्डों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। महापौर प्रशांत सिंघल व नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के प्रयासों से नगर निगम ने कुल 10,285 नई एलईडी स्ट्रीट लाइटों की आपूर्ति एवं स्थापना का कार्य प्रारंभ कर दिया है। नगर निगम के अधिशासी अभियंता (विवि/यांत्रिक) अजय कुमार सक्सेना ने बताया कि नगर आयुक्त जी द्वारा 10 जुलाई 2025 को निविदा स्वीकृत कर कार्यादेश प्रदान किया गया था। सभी 90 वार्डों में चरणबद्ध तरीके से एलईडी लाइटें लगाई जाएंगी। प्रत्येक वार्ड में पहले चरण में 50-50 नई एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी, जिससे नागरिकों को बेहतर रोशनी, सुरक्षा एवं सुविधा प्राप्त होगी। नगर निगम द्वारा ठेकेदार फर्म यूनिवर्सल इलेक्ट्रिकल्स से लाइट लगवाए जाने के लिए आवश्यक कार्ययोजना एवं रोस्टर तैयार कर कार्य शुरू कर दिया गया है।

नगर निगम ने किया गड्ढाभराई के जरिए भ्रष्टाचार को ढ़कने का काम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। महानगर की सडके बारिश के बाद जानलेवा बन चुकी होने के बाद कांग्रेस नेता इंजी. आगा युनुस जमकर बरसे। मेडिकल रोड, यूनिवर्सिटी सर्किल से लेकर केलानगर होते हुए सडक जो करीब तीन साल पहले करोडो रूपए की लागत से तत्कालीन मेयर फुरकान अहमद के कार्यकाल के अंतिम पड़ाव मे बनी थी वो करीब दो साल से गड्ढाभराई के जरिए भ्रष्टाचार को ढकने का काम चलने के बीच फिर ये सडके जगह जगह पूरी तरह उखडकर पुरानी सीसी सडक बाहर आ चुकी है। आगा ने मौजूदा मेयर को जलभराव का नायक बताते हुए कहा कि आज महानगर की मुख्य मार्गो व गली मुहल्ले की तमाम सडके जानलेवा बन चुकी है लेकिन सडक को प्रापर तरीके से मानक अनुरूप समतल तक नही किया। मेडिकल रोड, रामघाट रोड चुंगी से पान वाली कोठी तक, जकरिया से सर सैय्यद नगर रोड, मौलाना आजाद नगर व शहंशाहबाद नाले के बराबर की मुख्य रोड, पुरानी चुंगी फ्लाईओवर के नीचे से फिरदौस नगर होते हुए अलबरकात स्कूल तक, धौर्रा पुलिया से आफताब सीमेंट एजेंसी व जमालपूर तक, दिलशाद कालोनी से बूढे बाबा की पुलिया, भुजपुरा रोड, शाहजमाल ईदगाह रोड, महेन्द्र नगर, गूलर रोड समेत अनेको मार्गो को भ्रष्टाचार रहित बनाया जाना अतिआवश्यक है।

सरकार की सौगात से दशकों पुरानी जलभराव की समस्या का होगा अंत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नगर निगम अलीगढ़ में सीवरेज निश्तारण एवं प्रबंधन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने अलीगढ़ के लिए प्रथम चरण (फेज-1) में 606.75 करोड़ रुपये की लागत से सीवरेज परियोजना की संश्तुति प्रदान की है। यह परियोजना नगर निगम क्षेत्र में शहरी आबादी के लिए सीवरेज निश्तारण की दशकों पुरानी समस्या को दूर करने में सार्थक सिद्ध होगी। आपको बताते चले कि बीते 3 हफ़्ते पहले अलीगढ़ नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने अधिशासी अभियंता जल निगम सुनील सिंह व जल निगम के अधिकारियों को लेकर शहर की दशकों पुरानी जल भराव, जल निकासी, नाले नालियों के चोक होने की संभावना के साथ साथ सिर्फ 9 प्रतिशत की सीवर लाइन से संतृप्तिकरण है, जो बाकी प्रदेश के तुलना में काफी कम है के बारे में मैराथन प्रेजेंटेशन के जरिये जटिल समस्याओं के संबंध में शासन में नगर विकास मंत्रालय के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात, डायरेक्टर लोकल बॉडी, जल निगम शहरी निकाय के उच्च अधिकारियों के समक्ष मैराथन प्रेजेंटेशन में शहर की जलनिकासी, स्वच्छता, सीवरेज व्यवस्था को सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रश्ताव का प्रजेंटेशन दिया था। नगर आयुक्त के प्रश्ताव और प्रेजेंटेशन पर उत्तर प्रदेश सरकार ने सहज विचार उपरांत एक बड़ी सौगात अलीगढ़ को 606.75 करोड़ से सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ देने की मंजूरी दी है। नगर निगम क्षेत्र में अब तक किसी प्रकार की व्यापक सीवरेज व्यवस्था नहीं थी, जिसके कारण नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता रहा है।

दरगाह में अशोक पट्टिका का मामला; उमर ने माफी की रखी मांग, महबूबा बोलीं- एफआईआर दर्ज करो

जम्मू , एजेंसी।
जम्मू में हजरत बल दरगाह में राष्ट्रीय प्रतीक वाली पट्टिका से तोड़फोड़ का मामला गरमाया हुआ है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मुसलमानों की भावनाओं को आहत करने के लिए जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज होनी चाहिए। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पीडीपी ने प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए निगीन थाने में संपर्क किया था, लेकिन वहां इनकार कर दिया गया। उन्होंने कहा, 'निगीन थाने में वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज करने से इनकार किए जाने के बाद पीडीपी अब हजरत बल थाने का रुख करेगी। मैं जम्मू-कश्मीर पुलिस से आग्रह करती हूं कि अपराध की गंभीरता को देखते हुए तुरंत प्राथमिकी दर्ज की जाए। जानबूझकर मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई है।'

हजरत बल दरगाह में शुक्रवार को अशोक चिह्न वाली पट्टिका को अज्ञात लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दिया था, जिसके बाद कश्मीर में बड़ा विवाद पैदा हो गया था। अधिकतर राजनीतिक दलों ने अंद्राबी पर दरगाह में राष्ट्रीय प्रतीक का इस्तेमाल कर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने व उन्हें तत्काल पद से हटाने की मांग की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वक्फ बोर्ड को इस गलती के लिए माफी मांगनी चाहिए क्योंकि राष्ट्रीय प्रतीक सरकारी समारोहों के लिए है, धार्मिक संस्थानों के लिए नहीं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) जैसे दलों ने कहा कि दरगाह में अशोक चिह्न का इस्तेमाल भड़काऊ और ईशनिंदा वाला कदम था। भाजपा ने पट्टिका को क्षतिग्रस्त करने की निंदा करते हुए दावा किया कि यह घटना घाटी में आतंकवाद व अलगाववाद को पुनर्जीवित करने का प्रयास है। यह पट्टिका गुरुवार को हजरत बल दरगाह के अंदर लगाई गई थी, जहां पैगंबर मोहम्मद के पवित्र चिह्न रखे हैं। इससे मुस्लिम समुदाय में रोष फैल गया और लोगों का कहना था कि दरगाह के अंदर कोई भी आकृति या प्रतीक रखना इस्लामी सिद्धांत के खिलाफ है। इसके बाद शुक्रवार की नमाज के बाद अज्ञात व्यक्तियों की ओर से पट्टिका को खंडित कर दिया गया, जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। अंद्राबी ने प्रतीक चिह्न को क्षतिग्रस्त करने वाले लोगों के खिलाफ जन सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने सहित कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की जिसके बाद विवाद और बढ़ गया।

लिंगायत समुदाय ने रखी मांग- हिंदू नहीं, सर्वे में अलग धर्म के तौर पर कराएं दर्ज

बेंगलुरु, एजेंसी।
लिंगायत समुदाय की शीर्ष संस्था अखिल भारतीय वीरशैव-लिंगायत महासभा है। इसने कर्नाटक में समुदाय के लोगों से अपील की है कि वे सामाजिक-आर्थिक सर्वे में खुद को वीरशैव-लिंगायत के रूप में दर्ज कराएं। यह समुदाय हिंदुओं से अलग धर्म के रूप में मान्यता पाने की कोशिश कर रहा है। महासभा की यह अपील 22 सितंबर से शुरू होने वाले जाति गणना सर्वे से पहले आई है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की सरकार, कांग्रेस नेतृत्व और राहुल गांधी के निर्देश पर इस नए सर्वे को तीन महीने में पूरा करने की योजना है। अगर लिंगायत लोग महासभा की अपील पर अमल करते हैं तो हिंदुओं की संख्या कम दिख सकती है, जो बीजेपी का मुख्य वोट बैंक माने जाते हैं। महासभा का कहना है कि पिछले सर्वे में लिंगायत को एक जाति के रूप में बांटा गया था। कर्नाटक में इनकी आबादी 11प्रतिशत दिखाई गई, जो अनुसूचित जातियों (18प्रतिशत) और मुस्लिमों (13प्रतिशत) से कम थी। समुदाय के नेता लंबे समय से दावा करते रहे हैं कि उनकी आबादी राज्य में लगभग 17प्रतिशत है। वन मंत्री और महासभा के उपाध्यक्ष ईश्वर खांडरे ने कहा, यह फैसला हुआ कि समुदाय के लोग धर्म के कॉलम में वीरशैव-लिंगायत, जाति के कॉलम में लिंगायत या वीरशैव और तीसरे कॉलम में अपनी उपजाति दर्ज कराएंगे। इससे सर्वे में समुदाय की असल संख्या सही तरीके से सामने आ जाएगी।

सर्वे में अलग से कोई कॉलम नहीं: सर्वे को लेकर धर्म के कॉलम में वीरशैव-लिंगायत का अलग से कोई विकल्प नहीं है, इसलिए महासभा ने लोगों से अन्य विकल्प में इसे लिखने को कहा है। महासभा के राज्य अध्यक्ष शंकर बिदरी ने वीरशैव-लिंगायत को अलग धर्म के रूप में मान्यता देने की मांग की है। कांग्रेस सरकार को यह नया सर्वे इसलिए करना पड़ रहा है क्योंकि ढ्ढष्ट को कई शिकायतें मिली थीं कि पिछला डेटा गलत था। बताते हैं कि कांग्रेस आलाकमान के दबाव पर सिद्धारमैया सरकार तेलंगाना में किए गए सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वे की तर्ज पर यह गणना कर रही है।

हिमाचल प्रदेश पूर्ण साक्षर राज्य घोषित; 99.30 फीसदी साक्षरता रेट

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश ने पूर्ण साक्षर राज्य का दर्जा हासिल किया है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर सोमवार को शिमला में आयोजित %पूर्ण साक्षर हिमाचल समारोह एवं उल्लास मेला-2025 में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने यह उपलब्धि निर्धारित समय सीमा से पहले हासिल की है।

सीएम सुक्खू ने कहा कि निरक्षरता से पूर्ण साक्षरता की यात्रा आसान नहीं थी, लेकिन राज्य ने शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किए और आज 99.30 फीसदी साक्षरता दर प्राप्त कर ली है। यह दर राष्ट्रीय औसत 80.9 प्रतिशत से कहीं अधिक है।

उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य को तभी पूर्ण साक्षर राज्य माना जाता है जब उसकी साक्षरता दर 95 प्रतिशत से ऊपर हो। मिजोरम, त्रिपुरा और लक्षद्वीप जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए हिमाचल साक्षरता में देशभर में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1971 में पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार हुए हैं। सरकार ने पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई शुरू करने, डे बोर्डिंग स्कूलों की स्थापना और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को लागू करने जैसे कई कदम उठाए हैं।

शिक्षा क्षेत्र में भावी योजना पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि अब सरकार का मुख्य फोकस गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर होगा और प्रदेश को विश्वस्तरीय शैक्षणिक संस्थानों की दिशा में आगे ले जाया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में विद्यार्थी-अध्यापक अनुपात आज देश में सबसे बेहतर है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने उन अधिकारियों, स्वयंसेवकों और नव साक्षरों को सम्मानित किया, जिन्होंने इस उपलब्धि में योगदान दिया। उन्होंने शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

जाम से बचाने के लिए 155 और पुलिसकर्मी तैनात होंगे

ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट की तैयारियां

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक चलने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान जाम से बचाने के लिए यातायात विभाग में तैनात पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके लिए थानों और चौकियों पर तैनात 155 पुलिसकर्मियों का यातायात विभाग में स्थानांतरण किया गया है।

सेक्टर-108 स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में इनको प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिले में यातायात पुलिसकर्मियों की संख्या अब 750 हो गई है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में यातायात प्रबंधन काफी महत्वपूर्ण है। इसमें भारी संख्या में विदेशी मेहमान शामिल होंगे। देश-विदेश के कई वीवीआईपी भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। लोगों को सुरक्षित और जाम मुक्त यातायात उपलब्ध कराने के लिए ट्रैफिक विभाग में पुलिसकर्मियों को बढ़ाया गया है। इंडोर और आउटडोर प्रशिक्षण ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का कराया जा रहा है। निरीक्षक, उपनिरीक्षक, आरक्षी और मुख्य आरक्षी को एमवी ऐक्ट, यातायात संकेत, यातायात नियमों, यातायात उपकरणों, लोगों से वार्तालाप और व्यवहार के तरीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह सब अधिकारियों की निगरानी में हो रहा है। यातायात पुलिसकर्मियों को अंग्रेजी समेत अन्य भाषाओं की जानकारी भी दी जा रही है ताकि विदेशी मेहमानों से वार्तालाप में उन्हें कोई दिक्कत न आए। सड़क हादसे की दशा में कैसे घायल को तुरंत प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना है और सीपीआर देने समेत अन्य जानकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिसकर्मी हासिल कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभागार में पांच दिन तक विभाग के पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अन्य दोनों दिन पुलिसकर्मियों की ड्यूटी शहर के प्रमुख चौराहों पर इस मकसद से लगाई जा रही है कि वह यातायात प्रबंधन कैसे करना है, इसको सीख सकें। पुलिसकर्मियों की ड्यूटी टीएसआई की मौजूदगी में लगाई जा रही है। टीएसआई की देखरेख में ही पुलिसकर्मियों का पूरा प्रैक्टिकल हो रहा है।

नोएडा वालों को खस्ताहाल सड़कों से मिलेगा निजात, अगले हफ्ते से शुरू होगी मरम्मत

नोएडा, एजेंसी।
नोएडा शहर की सड़कों की मरम्मत का काम अगले सप्ताह में शुरू हो जाएगा। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण ने तैयारी शुरू कर दी है। फिलहाल सड़कों पर हो रखे गड्ढों को भरने का काम शुरू कर दिया गया है।

इस समय सड़कों की हालत काफी खराब है। मुख्य सड़कों पर भी गहरे गड्ढे हो गए हैं। गड्ढों के साथ-साथ सड़कों की कंक्रीट भी पूरी तरह निकल चुकी है। सड़कों पर काफी मात्रा में धूल उड़ रही है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि करीब दो महीने से बारिश की वजह से सड़कों की एक साथ मरम्मत नहीं कराई जा सकी। जिन जगह से गड्ढे होने की जानकारी सामने आई, उनको बीते समय में भरा गया। अब फिर से गड्ढे हो गए हैं। ऐसे में सभी वर्क सर्किल के अधिकारियों को गड्ढे भरने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। शहर में सोमवार को कहीं बारिश नहीं हुई।

प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि उम्मीद है कि अब बारिश में कमी आएगी। ऐसे में निर्णय लिया गया है कि 15 सितंबर के आसपास से सड़कों की मरम्मत कराई जाए। अगले एक महीने में मरम्मत का काम पूरा कर लिया जाएगा। प्राधिकरण के सीईओ संजय खत्री ने कहा कि सड़कों पर हो रखे गड्ढों को भरने का काम शुरू कर दिया गया है। एक सप्ताह के अंदर सड़कों की मरम्मत का काम शुरू करा दिया जाएगा।

क्लास में लड़की से कराई 100 ऊठक-बैठक, महिला टीचर नौकरी से बर्खास्त, एफआईआर भी दर्ज

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के प्रतापगढ़ स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल की एक महिला टीचर को सोमवार को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। महिला टीचर पर 8 साल की एक बच्ची को डंडे से पीटने और 100 बार ऊठक-बैठक करने के लिए मजबूर करने का आरोप है। पुलिस ने जिला कलेक्टर और शिक्षा अधिकारियों की सिफारिश के बाद आरोपी महिला टीचर के खिलाफ बीएनएस और जुवेनाइल जस्टिस ऐक्ट के तहत एफआईआर भी दर्ज कर लिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि सेकेंड क्लास में पढ़ने वाली छात्रा के पैर की मांसपेशियों में गंभीर चोट आई है और उसे बेहतर इलाज के लिए एम्स रायपुर रेफर कर दिया गया है।

जल्द होगी गिरफ्तारी: सरगुजा के एसपी राजेश अग्रवाल ने टीचर के खिलाफ मामला दर्ज होने की पुष्टि की है। एसपी ने कहा कि उसे जल्द ही गिफ्तार कर लिया जाएगा।

बच्ची रायपुर एम्स में भर्ती: जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश झा ने कहा, लड़की को एम्स-रायपुर रेफर कर दिया गया है। डॉक्टरों ने कहा है कि उसे अपने पैरों पर वापस खड़े होने और स्वस्थ होने में कुछ समय लगेगा। लड़की ने बताया कि वह पिछले बुधवार को टॉयलेट जा रही थी, तभी टीचर ने उसे रोका और दो बार डंडे से मारा। इसके बाद टीचर ने उसे क्लास में वापस बुलाकर 100 ऊठक-बैठक करने को कहा। इसके तुरंत बाद उसके घुटनों के नीचे तेज दर्द हुआ और वह गिर पड़ी।

अब मराठा-ओबीसी के बीच टकराव; अपनों ने ही बढ़ाई सीएम फडणवीस की टेंशन

मुंबई, एजेंसी।
देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली महाराष्ट्र की एनडीए सरकार नई टेंशन में उलझ गई है। अभी हाल ही में मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल और मराठों को शांत करने के लिए जो सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी किया गया है, उसका उनकी सरकार के मंत्री समेत विपक्षी दलों के ओबीसी नेताओं ने भी विरोध किया है। इन बीसी नेताओं ने अब जीआर के खिलाफ अदालत जाने का फैसला किया है। दरअसल, सरकार ने जीआर जारी कहा था कि पात्र मराठों को कुनबी जाति का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। कुनबी जाति ओबीसी समुदाय के तहत आता है।

राज्य सरकार के इस फैसले का फडणवीस सरकार में ही मंत्री और ओबीसी नेता छगन भुजबल ने विरोध किया है और कहा है कि सरकारी आदेश से ओबीसी के मौजूदा आरक्षण पर असर पड़ेगा। भुजबल उप मुख्यमंत्री अजित पवार की पार्टी एनसीपी के वरिष्ठ नेता हैं और राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री हैं।

ओबीसी समुदाय लामबंद, आंदोलन तेज

हैदराबाद गजट लागू करने और जीआर जारी करने के सरकार के इस फैसले के बाद महाराष्ट्र में ओबीसी समुदाय के बीच तेजी से असंतोष उभरा है। सरकारी आदेश के विरोध में कई लोग भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं और आंदोलन शुरू कर दिया है। ओबीसी कैटगरी में 374 जातियाँ हैं और सभी अपने-अपने तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। इस बीच, ओबीसी नेता छगन भुजबल ने कहा है कि वो सरकारी आदेश के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट जाएंगे। भुजबल ने कहा, हम समता परिषद के माध्यम से अपना रास्ता अपना रहे हैं। दूसरी तरफ, इसी मुद्दे पर एक दुर्लभ सियासी गठजोड़ भी उभरा है। दलगत नीतियों से ऊपर उठकर कई दलों के ओबीसी नेताओं ने इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाई है। कांग्रेस के ओबीसी नेता विजय वडेट्टीवार के नेतृत्व में कई ओबीसी नेताओं ने राज्य सरकार के इस कदम के खिलाफ रणनीति बनाने के लिए मुंबई में सोमवार को बैठक की। वडेट्टीवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उस टिप्पणी की आलोचना की, जिसमें फडणवीस ने कहा था कि मराठों को ओबीसी का दर्जा देने से मौजूदा ओबीसी समुदाय के आरक्षण पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वडेट्टीवार ने कहा, हमारी बैठक पार्टी लाइन से ऊपर है। मुख्यमंत्री को जो कहना है कहने दीजिए। इस सरकारी आदेश से ओबीसी समुदाय को नुकसान ही होगा। इस बीच, मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस मुद्दे पर अपनी ही सरकार के मंत्री भुजबल को समझाने की कोशिश की है लेकिन सूत्रों के अनुसार, भुजबल ने अगले दो दिनों के अंदर सरकारी आदेश के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। दूसरी तरफ, मराठा संगठनों ने भी हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों में एक कैविएट दायर कर अनुरोध किया है कि कोई भी आदेश जारी करने से पहले उनकी बात सुनी जाए। पार्टी लाइन से ऊपर उठकर वडेट्टीवार ने कहा कि वे मंत्री भुजबल का समर्थन करते हैं। वडेट्टीवार ने कहा, सरकारी आदेश से ओबीसी समुदाय को नुकसान होगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह कुनबी प्रमाणपत्र रखने वाले मराठों के ओबीसी कैटगरी में आने के का विरोध नहीं कर रहे लेकिन सरकार के नए आदेश से सभी मराठा ओबीसी कैटगरी में आ जाएँगे।

रास्ते से हटने के लिए कहा तो पीट दिया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर के तेलीयान कॉलोनी निवासी साकिब ने बताया कि सोमवार को वह बाइक से किसी काम से जा रहा था। राश्ते में कई युवक सड़क के बीच में खड़े थे। साकिब ने हटने को कहा तो वह गाली-गलौज करने लगे। विरोध पर युवकों ने साकिब की पिटाई कर दी। पीड़ित ने इस संबंध में मुरादनगर थाने में तहरीर दी है। सीओ ने बताया कि शादाब, अमन और आजाद निवासी तेलीयान कॉलोनी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बेहोश मिले युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के नसीब विहार कॉलोनी स्थित खाली भूखंड में सोमवार दोपहर 38 वर्षीय अनिल को बेहोश देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस उसे संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मृतक मूलरूप से खुर्जा बुलंदशहर का रहने वाला था। वह मजदूरी करता था और शराब पीने का आदी था। अत्यधिक शराब पीने से मौत की आशंका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सही कारणों का पता चल सकेगा।

पार्क में झाड़ियां उगने से लोगों को हो रही परेशानी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। डीएलएफ कॉलोनी स्थित एकता पार्क इन दिनों नगर निगम की अनदेखी की वजह से बदहाली का शिकार होता जा रहा है। पार्क में लंबी-लंबी झाड़ियां उग गई हैं। इससे लोगों को पार्क में टहलने में दिक्कत हो रही है। स्थानीय निवासी मनोज कुमार ने बताया कि पार्क की साफ-सफाई के लिए करीब दो माह से निगम को शिकायत की जा रही है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही। स्थिति यह है कि पार्क में जगह-जगह बड़े-बड़े बिल हो चुके हैं, जिनमें सांप होने की आशंका है। ऐसे में पार्क में घूमने में लोगों को डर सताने लगा है। स्थानीयों ने कई बार उद्यान प्रभारी और संबंधित पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। निवासियों का कहना है कि पार्क की यह स्थिति न सिर्फ बच्चों की खेल गतिविधियों को प्रभावित कर रही है, बल्कि स्थानीय लोगों की सेहत व सुरक्षा पर भी संकट खड़ा कर रही है। लोगों ने नगर निगम से जल्द कार्रवाई की मांग की है। उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत मिली है। जल्द ही सफाई और घास कटवाने का कार्य किया जाएगा।

जनसेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष व कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी को दिया मांग पत्र

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। जनसेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष परवेज पासी ने एम एम इंटर कॉलेज नगीना में मिनी स्टेडियम बनाने के लिए उपजिलाधिकारी नगीना नितिन कुमार को एक मांग पत्र दिया। उन्होंने इस मांग पत्र में लिखा है कि नगीना विधान सभा एवं लोकसभा का मुख्यालय है। यहां से हजारों की संख्या में युवा खिलाड़ी बनने की चाह में सड़क पर दौड़ लगाते हैं जिससे उनकी प्रतिभाएं खराब हो रही है। एम एम इंटर कॉलेज का खेल मैदान बरसों से बदहाल पड़ा है। अगर वह सही हो जाए तो वहां मिनी स्टेडियम बन सकता है तथा यहां के बच्चे भी बड़े खिलाड़ी बन सकते हैं। उन्होंने अपील करते हुए उप जिलाधिकारी से अपील करते हुए कहा है कि इस विषय को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका नगीना को निर्देशित करने की कृपा करें।

रविंद्र जैन मेमोरियल ट्रस्ट ने इंटर कॉलेज के 190 छात्राओं को बाटी यूनिफॉर्म

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। स्वर्गीय रविंद्र जैन मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में 190 छात्र छात्राओं को यूनिफार्म वितरित की गई। इस दौरान ट्रस्ट की प्रबंधक नूतन जैन ने बच्चों से मन लगाकर पढाई करने तथा प्राप्त ज्ञान का उपयोग समाज व राष्ट्र के हित में करने की अपील की। मुख्य अतिथि मूलचंद त्यागी, अशोक अग्रवाल, संदीप जैन, अनुराग जैन, शैलेंद्र जैन, दीपक जैन, सिद्धांत जैन, कामिनी जैन, पूनम जैन, प्रधानाचार्य हेमंत सागर उपस्थित रहे।

भाकियू टिकेत ग्रुप में राजीव कुमार को युवा ब्लाक अध्यक्ष मनोमीत किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। भारतीय किसान यूनियन टिकेत संगठन के युवा जिला अध्यक्ष मनप्रीत सिंह सिंधु, ने कोतवाली ब्लॉक के ग्राम धीमारेड़ी निवासी राजीव कुमार पुत्र भारत सिंह को कोतवाली का युवा ब्लॉक अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। उनसे आशा व्यक्त की है कि वे अनुशासन में रहते हुए संगठन हित में कार्य करेंगे, तथा किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से निश्तारण करेंगे। भारतीय किसान यूनियन टिकेत संगठन को और अधिक मजबूत करने में अपना भरपूर योगदान देते रहेंगे, इस आशय की जानकारी भारतीय किसान यूनियन युवा जिला अध्यक्ष मनप्रीत सिंह सिंधु ने एक प्रेस नोट में दी ।

पत्रकार प्रेस महासंघ ने एसपी पूर्वी व नवागत एसडीएम से की मुलाकात

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। पत्रकार प्रेस महासंघ के जिला अध्यक्ष विकास शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को संगठन से जुड़े पदाधिकारियों ने धामपुर पहुंचकर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अमित किशोर श्रीवाश्तव तथा नवागत एसडीएम स्मृति मिश्रा (आईएएस ट्रेनी) से मुलाकात की। इस दौरान दोनों अधिकारियों को संगठन की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। मुलाकात के दौरान पत्रकारों ने स्थानीय श्तर पर उत्पन्न समस्याओं एवं विभिन्न मुद्दों पर प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की और सहयोग की अपेक्षा जताई। एसपी पूर्वी व एसडीएम ने भी पत्रकारों को सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया है । इस मौके पर मयंक कुमार यादव जिला अध्यक्ष अमरोहा, डॉ. मुनेश चंद शर्मा, दिनेश प्रजापति, कृष्ण कुमार कौशिक, गौरव त्यागी, परीक्षित गुप्ता, इरफान अंसारी, रहमान, भुवन राजपूत, अमित चौधरी, जीशान अहमद, सलीम हाशमी, मोनू समेत कई पत्रकार मौजूद रहे।

पत्नी ने पति को दूध में दिया जहर, हालत गंभीर

गंभीर हालत में इलाज के लिए निजी अस्पताल में कराया भर्ती

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

थाना क्षेत्र के गांव नंगला भजन में एक व्यक्ति ने संदिग्ध परिस्थितियों में किसी जहरीले पदार्थ का सेवन करने का मामला प्रकाश में आया है।

हालत बिगड़ने पर परिजनों उसे इलाज के लिए एक नगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों का आरोप है कि उसकी पत्नी ने दूध में कोई जहरीला पदार्थ मिलाकर उसे पिला दिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उधर आरोपी पत्नी ससुराल वालों द्वारा लगाया जा रहे आरोप को गलत बता रही है।

ग्राम नंगला भज्जा निवासी सचिन पुत्र स्व० कैलाश सिंह की लगभग साढे आठ महीने पहले शेरकोट निवासी रुबी से हिंदू रीति रिवाज के अनुसार शादी हुई थी। शादी के बाद से ही पति पत्नी के बीच मनमुटाव शुरू हो गया।

शिकायत पर महिला पुलिस थाने में दोनों को बुलाया गया था, जिसके बाद रूबी अपने पति के साथ ससुराल गांव नंगला भज्जा चली गई। सचिन कुमार के छोटे भाई रवि कुमार ने बताया कि उसके भाई सचिन कुमार व उसकी पत्नी रूची के बीच दोनों में आपस में काफी समय से रंजिश चली आ रही है, जिसके सम्बन्ध में 19 अगश्त 2025 को सचिन व रूची के बीच थान धामपुर में आपसी समझौता भी हो हुआ था।

समझौते के बाद से सचिन व रूबी अपने घर में दोनों एक साथ रह रहे थे, परन्तु इसी रजिश के चलते 08 सितम्बर 2025 की रात को मेरे भाई सचिन को उसकी पत्नी ने दूध में मिलाकर जहर दे दिया। जिससे मेरे भाई सचिन की हालत खराब हो गयी।

मैने अपने भाई सचिन को रात में ही इलाज के लिए धामपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जिसकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। ऐसी स्थिति में रूची से मेरे भाई सचिन की जान का खतरा बना हुआ है। रवि कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई।

बारिश में बच्चों को खांसी, बुखार के साथ डायरिया और पीलिया का बढ़ा खतरा: डॉ. मनोज वर्मा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

बरसात का मौसम जहां तपती गर्मी से राहत लेकर आता है, वहीं यह बच्चों के स्वास्थ्य के लिए कई बीमारियों का कारण भी बन रहा है।

यह बात बिजनौर जिले के स्योहारा के वरिष्ठ समाजसेवी एंड डाक्टर मनोज वर्मा ने कहा की इस मौसम में बच्चों में खांसी, जुकाम, बुखार, डायरिया और पीलिया जैसी बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। नमी और गंदगी के कारण वायरस व बैक्टीरिया सक्रिय हो जाते हैं, जिससे संक्रमण फैलने की आशंका अधिक रहती है। डॉ. वर्मा ने बताया कि बीते 15 दिनों में अस्पताल की बाल रोग ओपीडी में करीब 20 प्रतिशत मरीज बढ़े हैं। इनमें ज्यादातर बच्चे खांसी-जुकाम और बुखार से पीड़ित हैं।

उन्होंने कहा कि लगातार उल्टी-दश्त, आंखों और त्वचा का पीला पड़ना, कमजोरी और भूख न लगना जैसे लक्षण नजर आने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए, क्योंकि लापरवाही छोटी समस्या को गंभीर बना सकती है।

उन्होंने अभिभावकों को सतर्क करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में बच्चों को हमेशा हल्का और ताजा भोजन दें। बाहर का तला-भुना या बासी खाना खिलाने से बचें।

बच्चों को साफ और सूखे कपड़े पहनाएं तथा उबला या फिल्टर किया हुआ पानी ही पिलाएं। साथ ही घर और आसपास की साफ-सफाई बनाए रखें ताकि मच्छर और गंदगी से पनपने वाले रोगों से बचाव किया जा सके।

हादसे में घायल किशोर ने एक दिन बाद दम तोड़ा

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर-62 क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल किशोर ने अगले दिन दम तोड़ दिया। हादसे में उसका दोश्त भी घायल हुआ था। परिजनों ने सेक्टर-58 थाने में शिकायत दी है। पुलिस घटनास्थल चिह्नित कर जांच कर रही है।

जिला हमीरपुर निवासी पप्पू ने पुलिस को बताया कि उनका 16 वर्षीय बेटा सुमित करीब 20 दिन पहले नोएडा आया था। उसे उसका दोश्त बुलाकर लाया था। सुमित सेक्टर-73 स्थित सर्फाबाद गांव में दोश्त के साथ किराये के कमरे में रहता था। सुमित का दोश्त छिजारसी कट के पास रेहड़ी लगाकर चाट बेचता था।

सुमित भी दोश्त के साथ रेहड़ी पर चला जाता था। परिजनों के मुताबिक चार सितंबर की रात दोनों चाट बेचने के बाद रेहड़ी लेकर कमरे पर लौट रहे थे। उन्हें देर रात फोर्टिस अस्पताल से सुमित के घायल होने की सूचना मिली। गांव से परिजन पांच सितंबर की सुबह नोएडा पहुंचे। जहां से सुमित को रेफर कर दिया गया।

महामाया स्टेडियम में 10 मीटर राइफल शूटिंग रेंज बनेगी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में 10 मीटर राइफल का शूटिंग रेंज बनाई जाएगी। जिला खेल विभाग ने स्टेडियम में शूटिंग रेंज के निर्माण के लिए प्रश्ताव भेजा है।

स्टेडियम में शूटिंग रेंज स्थानीय निशानेबाजों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय श्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगी। जनपद में वर्तमान में मोदीनगर के निवाड़ी में सरकारी शूटिंग रेंज बना हुआ है। यह शूटिंग रेंज देखरेख के अभाव में पिछले कुछ समय से बंद पड़ा है।

इसकी वजह से यहां खिलाड़ी अभ्यास नहीं कर पा रहे हैं। इन्हें अभ्यास करने के लिए बाहर जाना पड़ रहा है। महामाया स्टेडियम में जल्द निशानेबाज खिलाड़ी निशाना लगाते नजर आएंगे।

जिला खेल विभाग ने शहर के एकमात्र सरकारी महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में 10 मीटर राइफल शूटिंग रेंज बनाने का प्रश्ताव भेजा है। प्रश्ताव को स्वीकृति मिलने के बाद रेंज बनाने का निर्माण कार्य शुरू होगा। यह रेंज खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय श्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में अहम भूमिका अदा करेगी।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने बताया कि शूटिंग रेंज में आधुनिक तकनीक और सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद होंगी। जिससे स्थानीय निशानेबाज खिलाड़ियों को महामाया स्टेडियम में उच्च श्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा। यह रेंज इंडोर हॉल में होगी। इससे खराब मौसम होने के चलते भी खिलाड़ियों के प्रशिक्षण पर कोई असर नहीं होगा।

शूटिंग रेंज में प्रशिक्षक की तैनाती, सुरक्षा उपाय और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। जिससे खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़ा। वहीं, जिला खेल क्रीड़ाधिकारी अभिषेक धनुक ने बताया कि स्टेडियम में शूटिंग रेंज की सुविधा होने के बाद न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलेगा, बल्कि जिले में निशानेबाजी के खेल के क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

युवा खिलाड़ी जो अब तक संसाधनों के अभाव में अपने सपनों को पूरा नहीं कर पा रहे थे, उन्हें अपने जिले में ही उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण मिल सकेगा। हरियाणा, दिल्ली जाने से निजात मिलेगी निवाड़ी में शूटिंग रेंज बंद होने से खिलाड़ी हरियाणा दिल्ली 10 मीटर एयर पिस्टल, राइफल आदि स्पर्धाओं के लिए प्रशिक्षण लेने के लिए जाते हैं।

दिल्ली में भी कुछ रेंज बंद होने से मजबूरी में उन्हें हरियाणा ही जाना होता है, जिससे उन्हें हरियाणा में ही नियमित अभ्यास करने के लिए कई बार वही रहना पड़ता है। इससे उन पर आर्थिक बोझ भी पड़ता है, लेकिन जिले के सरकारी स्टेडियम में 10 मीटर राइफल, पिस्टल आदि का प्रशिक्षण मिलने से इन खिलाड़ियों को बड़ा लाभ होगा। उन्हें जनपद के बाहर अभ्यास करने के लिए जाने से निजात मिलेगी। सबसे ज्यादा लाभ महिला खिलाड़ियों को होगा।

जिले में ही अभ्यास करने से महिला खिलाड़ियों के अभिभावकों को सुरक्षा की चिंता नहीं होगी। हर वर्ग के खिलाड़ियों को होगा लाभ महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में शूटिंग रेंज स्थापित होने से हर वर्ग के लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

सरकारी स्टेडियम में निजी शूटिंग एकेडमी के मुकाबले कम फीस में ही प्रशिक्षण प्राप्त करने की सुविधा होगी। इससे ऐसे खिलाड़ियों को विशेष रूप से लाभ होगा, जिनकी घर की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होती है और वे निशानेबाजी में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।

वे यहां कम फीस में ही अपने सपने को पूरा करने के लिए मेहनत एवं लगन के साथ निशान साधेंगे।

पुलिस ने ट्रांसपोर्टर का बैग चोरी करने वाले आरोपी पकड़े

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

पुलिस ने सेक्टर-142 मेट्रो स्टेशन के पास ट्रांसपोर्टर प्रवीण वर्मा को गाड़ी में बैठाकर उसका बैग चोरी करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने पीड़ति से चुराए गए अमेरिकी डॉलर बरामद किए। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नोएडा के रहने वाले प्रवीण वर्मा ने सेक्टर 142 थाना पुलिस से शिकायत की थी। प्रवीण वर्मा के मुताबिक उनका टूर एंड ट्रेवल्स का काम है। करीब एक सप्ताह पहले ट्रांसपोर्टर को कुछ लोगों ने चार धाम यात्रा के लिए गाड़ी बुक करने का झांसा देकर मिलने के लिए बुलाया था। बुक करने की बात करने के लिए सेक्टर 142 मेट्रो स्टेशन के समीप अपनी गाड़ी में बैठा लिया था। इसी बीच पीड़ित को बातों में उलझाकर उनके बैग से पर्स चोरी कर लिया था। पीड़ित के पर्स में बीस हजार रुपये और अमेरिकी डॉलर रखे थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना को अंजाम देने वाले तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है।

इनकी पहचान कार्तिक भाटिया निवासी सेक्टर-121, गौतमबुद्धनगर, विजय प्रजापति निवासी ग्राम दुसवाबार, गोरखपुर वर्तमान पता श्रीराम अपार्टमेन्ट, थाना सेक्टर-113, गौतमबुद्धनगर, और विशाल प्रजापति निवासी ग्राम दुसवाबार, गोरखपुर वर्तमान पता ग्राम तिगरी चिपयाना खुर्द, थाना बिसरख, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से पीड़ित के चोरी किए गए 50 अमेरिकी डॉलर बरामद किए हैं।

हादसे में घायल किशोर ने एक दिन बाद दम तोड़ा

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर-62 क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल किशोर ने अगले दिन दम तोड़ दिया। हादसे में उसका दोश्त भी घायल हुआ था। परिजनों ने सेक्टर-58 थाने में शिकायत दी है।

पुलिस घटनास्थल चिह्नित कर जांच कर रही है। जिला हमीरपुर निवासी पप्पू ने पुलिस को बताया कि उनका 16 वर्षीय बेटा सुमित करीब 20 दिन पहले नोएडा आया था। उसे उसका दोश्त बुलाकर लाया था। सुमित सेक्टर-73 स्थित सर्फाबाद गांव में दोश्त के साथ किराये के कमरे में रहता था। सुमित का दोश्त छिजारसी कट के पास रेहड़ी लगाकर चाट बेचता था।

सुमित भी दोश्त के साथ रेहड़ी पर चला जाता था। परिजनों के मुताबिक चार सितंबर की रात दोनों चाट बेचने के बाद रेहड़ी लेकर कमरे पर लौट रहे थे। उन्हें देर रात फोर्टिस अस्पताल से सुमित के घायल होने की सूचना मिली। गांव से परिजन पांच सितंबर की सुबह नोएडा पहुंचे। जहां से सुमित को रेफर कर दिया गया।

शेख शाहनवाज खलील ने राहत सामग्री के ट्रक को झंडी दिखा रवाना किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

जमीयत उलेमा ए हिंद के सौजन्य से पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के

लिए मोहल्ला शाहजहीर स्थित घास मंडी से राहत सामग्री से भरे एक वाहन को जमीयत उलेमा हिंद के जिला अध्यक्ष मुफ्ती ओवैस अकरम व जनपद बिजनौर के नगरपालिका अध्यक्ष संघ के जिला अध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़तों की मदद के लिए आगे भी प्रयास जारी रहेगा। सोमवार की रात्रि मोहल्ला शाहजहीर से पंजाब बाढ़ पीड़तिों की मदद के लिए रवाना हुए वाहन में 405 मच्छरदानियां, 200 गद्दे, 5 किलो आटे के 210 बैग, 115 किलो चावल, 500 ग्राम दाल के सौ बैग, 100 किलो चीनी के बैग, 100 जोड़ी चप्पल, 15 पेटी कोल्ड ड्रिंक, दो बॉक्स बिस्किट, रिफाइंड तेल, कपड़े, चादर, रस्सी, डाइपर आदि जरूरत का सामान भेजा गया।

इस मौके पर शेख शाहनवाज खलील ने कहा कि बहुत जल्द और सामग्री भी भेजी जाएगी। इस मौके पर मुफ्ती उवैस अकरम, मुफ्ती नबील, सिराज खलील सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

खेत में घास काट रही महिला से अभद्रता, घर पर भी हमला

पहले भी कर चुका है छेड़छाड़, अब जान का खतरा है

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

थाना स्योहारा क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर जामा उर्फ हरोली निवासी एक महिला ने थाना प्रभारी को तहरीर देकर ग्राम पट्टी निवासी संसार पुत्र मंगू और उसके परिजनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़िता ज्योति पत्नी रणवीर का कहना है कि सोमवार दोपहर वह जंगल स्थित खेत पर घास काटने गई थी, तभी संसार वहां पहुंच गया और उसके साथ अभद्र व्यवहार करने लगा। विरोध करने पर उसने अश्लील हरकतें कीं, मारपीट की तथा जबरन खेत की ओर खींचने लगा। किसी तरह बचकर महिला घर पहुंची।

पीड़िता ने बताया कि शाम करीब छह बजे जब वह अपने देवर के साथ दवा लेकर मोटरसाइकिल से घर लौट रही थी, तो हरोली गांव के पास संसार ने उनकी बाइक रोक ली। इस दौरान उसने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया, गाली-गलौच की और विरोध करने पर दोनों के साथ मारपीट की।

महिला के अनुसार, बाद में संसार अपने बेटे अनमोल, पत्नी, बेटी और अन्य अज्ञात लोगों के साथ घर पर पहुंच गया। सभी लाठी-डंडों और लोहे की सरिया से लैस थे। वहीं अनमोल अपने हाथ में तमंचा लिए हुए था। आरोप है कि आते ही उन्होंने परिवार के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। संसार ने खुद को रिटायर्ड दरोगा बताते हुए तमंचे से भून डालने की धमकी भी दी।

पीड़िता का कहना है कि इससे पहले भी संसार इस तरह की हरकत कर चुका है और उसके परिवार को उससे लगातार जान-माल का खतरा बना हुआ है। महिला ने थाना प्रभारी से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

विवादित दुकान को प्रशासनिक टीम ने किया सील

✷ एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷

लगभग पिछले एक वर्ष से विवादित चल रही हलवाई बिरादरी के कमेंटी की एक दुकान को प्रशासन द्वारा कुर्क सुदा दुकान में सील लगा दी गई है।

दुकान किराएदार फरीद खां का इस सम्बन्ध में कहना है कि बस स्टैंड के पास हलवाई बिरादरी के कब्रिश्तान मे वह सन 1984 से किराएदार है। मेरी दुकान के सामने एडवोकेट इदरीश का ऑफिस था। जिसे दुकान मालिक द्वारा खाली करा लिया गया था।

इदरीश ने तीन महीने के लिए अपना सामान रखने के लिये मुझसे दुकान की चाबी मांगी थी ।जान पहचान व पड़ोसी होने के कारण मैने इदरीश को चाबी दे दी थी।

3 महीने के बाद जब मैने इदरीश को दुकान खाली करने के लिए कहा तो उसने कहा कि थोड़ा समय ओर दो में जल्द ही दुकान खाली कर दूंगा।

लेकिन 5 माह बीत जाने के पश्चात भी इदरीस ने दुकान खाली नहीं की। 5 माह बीत जाने के बाद जब मैने इदरीश

से दुकान खाली करने के लिए कहा तो उसने उल्टे मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। जिसकी तहरीर थाना किरतपुर में दे दी गई थी।

फरीद खां बनाम इदरीस अहमद के बीच धारा 164 के अंतर्गत एसडीएम कोट नजीबाबाद में वाद दायर कर दिया गया था।

जिसका संज्ञान लेते हुए एसडीएम नजीबाबाद की आख्या अनुसार विवादित संपत्ति हलवाईयान बिरादरी कमेटी की दुकान निकट बस स्टैंड किरतपुर के अंतर्गत धारा 165 के तहत कुर्क करने के लिए आख्या न्यायालय को प्रषित की गई।

जिस पर दूसरे पक्ष द्वारा आपत्ति प्रश्तुत लगा दी गई है। दूसरे पक्ष की आपत्ति बलहीन होने के कारण निरश्त करदी गई।

इस संबंध में थाना प्रभारी किरतपुर द्वारा प्रश्तुत रिपोर्ट जनवरी 2025 एवं तहसील नजीबाबाद द्वारा प्रश्तुत रिपोर्ट 3 जनवरी 2025 एवं तहसीलदार नजीबाबाद द्वारा प्रश्तुत रिपोर्ट 28 जनवरी 2025 से सहमत होते हुए मोहल्ला शीशगिरान बसी किरतपुर की विवादित संपत्ति हलवाइयांन बिरादरी इंतजामीया कमेटी की दुकान निकट बस स्टैंड किरतपुर की सुरक्षा संहिता 2023 के अंतर्गत कुर्क की गई।,

थाना प्रभारी किरतपुर को इस विवादित संपत्ति दुकान का रिसीवर नियुक्त किया। निर्देशित किया गया वह सुपुर्दगी नामा न्यायालय को नियत 22 सितंबर 2025 से पहले प्रश्तुत करें। पक्षकारों को निर्देशित किया गया कि वह कुर्क शुदा संपत्ति/दुकान में किसी भी प्रकार का हश्तक्षेप ना करें यह आदेश उप जिलाधिकारी मजिस्ट्रेट शैलेंद्र कुमार सिंह ने दिए।

जीएसटी चोरी कर रही फर्म पकड़ी

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

राज्य जीएसटी विभाग गौतमबुद्ध नगर की विशेष अनुसंधान शाखा ने नौ सितंबर को सूरजपुर स्थित एक फर्म पर छापा मारा। फर्म फर्जी फर्मों से 1.65 करोड़ रुपये की खरीद दिखा कर जीएसटी चोरी कर रही थी।

राज्य जीएसटी विभाग गौतमबुद्ध नगर की विशेष अनुसंधान शाखा के अपर आयुक्त ग्रेड टू विवेक आर्य ने बताया कि यह कार्रवाई संभाग बी ग्रेटर नोएडा टीम ने की। फर्म ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन के निर्माण और बिक्री का काम करती है। पांच दिन तक रेकी और जीएसटी पोर्टल पर किए गए डाटा विश्लेषण से पता लगा कि व्यापारी द्वारा फर्जी फर्मों से 1.65 करोड़ रुपये की खरीद प्रदर्शित की गई थी। सिर्फ दश्तावेजों के माध्यम से व्यापारी को कुल 29.73 लाख रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) पासऑन कर दिया गया था। इस आईटीसी के जरिए व्यापारी अपनी करदेयता से बच रहा था। व्यापारी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में देय कर शून्य के रूप में जमा किया था।

हॉस्टल के कमरे में चली गोलियां एक छात्र की मौत, दूसरा गंभीर

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-3 स्थित विद्या विहार हॉस्टल में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक कॉलेज के हॉस्टल के कमरे के अंदर गोलियां चलीं और एक छात्र की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

इस घटना में आंध्र प्रदेश निवासी छात्र दीपक कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका दोश्त और सहपाठी आगरा निवासी देवांश चौहान गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल देवांश को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। दोनों छात्र पीजीडीएमए के प्रथम वर्ष के विद्यार्थी बताए जा रहे हैं और लंबे समय से हॉस्टल में एक ही कमरे में रह रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, दोनों आपस में घनिष्ठ दोश्त थे। पुलिस इस बात की छानबीन कर रही है और शुरुआती जांच में यह पता चला है कि पहले एक छात्र ने दूसरे पर गोली चलाई और उसके बाद खुद को भी गोली मार ली। सूचना मिलते ही नॉलेज पार्क थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हॉस्टल के कमरे को सील कर दिया।

मौके से पुलिस ने लाइसेंसी रिवॉल्वर, चार जिंदा कारतूस, एक खोखा, लैपटॉप और मोबाइल फोन बरामद किया है। कमरे की दीवारों पर भी गोली के निशान मिले हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह मामला आपसी झगड़े के बाद गोली चलने का लग रहा है। हालांकि असली कारणों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक टीम और पुलिस की विशेष जांच इकाई को लगाया गया है।

इस वारदात के बाद हॉस्टल में रह रहे अन्य छात्रों में डर और दहशत का माहौल है। छात्र इस घटना के बाद खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिरकार हथियार हॉस्टल के अंदर कैसे पहुंचा? मैनेजमेंट और सिक्योरिटी की जिम्मेदारी पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अवैध हथियारों की तस्करी करने वाला गैंग का सदस्य गिरफ्तार, बड़ी मात्रा में पिस्टल और कारतूस बरामद

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

पुलिस ने अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है।

थाना दनकौर पुलिस ने सलारपुर अंडरपास के पास से दबिश देकर आरोपी को पकड़ा। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान सूफियान कुरैशी, निवासी जनपद सम्भल, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

फिलहाल आरोपी दिल्ली के दरियागंज इलाके में रहता था और वहीं से हथियारों की डीलिंग का काम करता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए हैं। इनमें 4 पिस्टल .32 बोर, 30 जिंदा कारतूस .32 बोर और 6 तमंचे .315

बोर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी इन हथियारों को दिल्ली-एनसीआर में ऊंचे दामों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाता था।

बताया जा रहा है कि सुफियान कुरैशी पिस्टल को 50 से 70 हजार रुपये तक में बेचता था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी जिस गैंग से जुड़ा हुआ है, उसकी पूरी कुंडली खंगाली जा रही है। यह गिरोह उत्तर प्रदेश और आसपास के राज्यों में हथियारों की सप्लाई करने का काम करता है।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने हथियारों के नेटवर्क से जुड़े कुछ अहम सुराग दिए हैं। उसके गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों और सप्लायरों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस का मानना है कि इस गिरफ्तारी से अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले नेटवर्क को तोड़ने में बड़ी सफलता मिलेगी। ग्रेटर नोएडा और आसपास के इलाकों में पिछले कुछ समय से अवैध हथियारों की तस्करी के मामलों में इजाफा देखने को मिला था। जिसके बाद पुलिस ने अपने नेटवर्क को एक्टिव किया और कई टीमें आरोपी की तलाश में जुट गई थीं।

संपादकीय

'नेपाल का ऑनलाइन लॉकडाउन: आज़ादी पर सवाल'

नेपाल जैसे छोटे लोकतांत्रिक देश ने हाल ही में ऐसा बड़ा निर्णय लिया है जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया। सरकार ने 26 सोशल मीडिया और संदेश मंचों पर अचानक रोक लगाने का आदेश दिया। इसमें फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स जैसे सबसे लोकप्रिय मंच शामिल हैं। यह फैसला जितना अचानक लिया गया, उतना ही गहरी बहस भी शुरू कर दी कि क्या यह कदम नागरिक अधिकारों पर हमला है या देश की डिजिटल सुरक्षा के लिए जरूरी था। सरकार का कहना है कि सोशल मीडिया कंपनियों को पहले ही चेतावनी दी गई थी कि वे नेपाल में अपना स्थानीय कार्यालय खोलें, प्रतिनिधि नियुक्त करें और शिकायत निवारण की व्यवस्था सुनिश्चित करें। लेकिन कंपनियों ने इसका पालन नहीं किया। सरकार के अनुसार, इस कारण अफवाहें, भ्रामक खबरें और साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे थे। इसे रोकने के लिए ही यह बड़ा कदम उठाया गया।

लेकिन इस फैसले का विरोध भी तेजी से हो रहा है। पत्रकार संगठन, मानवाधिकार समूह और आम नागरिक इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला मान रहे हैं। उनका तर्क है कि सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह अब नागरिकों की आवाज़ और लोकतंत्र का आधार बन चुका है। जब इतने बड़े श्तर पर मंच बंद कर दिए जाएंगे, तो जनता की संवाद और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गहरा असर पड़ेगा।

नेपाल में लाखों परिवार ऐसे हैं जिनके सदस्य विदेशों में काम कर रहे हैं। उनके लिए व्हाट्सएप और फेसबुक ही परिवार से जुड़े रहने का सबसे आसान माध्यम हैं। इस प्रतिबंध से उनकी रोज़मर्रा की जिंदगी कठिन हो जाएगी। यही नहीं, छोटे व्यापारी और ऑनलाइन कारोबार करने वाले लोग भी सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों तक पहुँचते थे। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक पर विज्ञापन देकर वे अपने उत्पाद बेचते थे। अब यह सब प्रभावित होगा। हजारों सामग्री निर्माता और यूट्यूबर, जो सोशल मीडिया से अपनी रोज़ी-रोटी चला रहे थे, अचानक बेरोज़गार होने की कगार पर पहुँच गए हैं। युवाओं में निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि डिजिटल रोजगार पर भी बड़ा झटका है।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह निर्णय नेपाल सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। विपक्ष इसे तानाशाही कदम मान रहा है। उनका कहना है कि सरकार आलोचना और सवालों से डर रही है, इसलिए उसने सोशल मीडिया पर रोक लगा दी। लोकतंत्र की असली ताकत जनता की आवाज़ में है। जब उस आवाज़ को दबाया जाता है, तो लोकतंत्र कमजोर पड़ जाता है।

अंतरराष्ट्रीय श्तर पर भी नेपाल की छवि प्रभावित होगी। निवेशक और डिजिटल कंपनियाँ यह सोचेंगी कि नेपाल का डिजिटल माहौल स्थिर और सुरक्षित नहीं है। इससे निवेश और साझेदारी पर असर पड़ेगा। पर्यटक भी नाखुश हो सकते हैं, क्योंकि आज यात्रा, संचार और जानकारी का बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया पर आधारित है। सरकार का तर्क बिल्कुल गलत नहीं है। सोशल मीडिया पर अफवाहें, फर्जी खबरें और साइबर अपराध तेजी से फैल रहे हैं। इससे सामाजिक तनाव और हिंसा भी भड़क सकती है। सरकार को यह हक़ है कि वह नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और कंपनियों को जिम्मेदार बनाए। लेकिन समस्या का हल सीधे मंचों को बंद करना नहीं होना चाहिए। दुनिया के कई देशों ने सोशल मीडिया कंपनियों पर नियम लागू किए हैं। भारत ने 2021 में नए सूचना प्रौद्योगिकी नियम बनाए, जिनमें कंपनियों को शिकायत अधिकारी नियुक्त करना और सामग्री पर तुरंत कार्रवाई करना अनिवार्य किया गया। यूरोपियन संघ ने भी डिजिटल सेवा कानून लागू किया। लेकिन कहीं भी इस तरह का पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया गया। नेपाल का कदम इसलिए कठोर और जल्दबाज़ी भरा लगता है।

समाधान यही है कि सरकार कंपनियों से बातचीत करे, उन पर जुर्माना लगाए और नियमों का पालन करने के लिए दबाव बनाए। जनता की आवाज़ को पूरी तरह रोकना सही तरीका नहीं है। यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है बल्कि जनता और सरकार के बीच अविश्वास भी बढ़ाएगा।

भविष्य में नेपाल को संतुलन की राह चुननी होगी। उसे समझना होगा कि सोशल मीडिया अब केवल तकनीकी साधन नहीं है, बल्कि लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। इसे बंद करना लोगों की स्वतंत्रता और संवाद दोनों पर चोट है। बेहतर होगा कि सरकार कंपनियों को सख्त नियमों के दायरे में रखे, लेकिन नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुरक्षित भी रहे। लोकतंत्र की असली ताकत जनता का भरोसा है। यह भरोसा तभी बनता है जब सरकार जनता से संवाद करेगी, न कि उसकी आवाज़ को दबाएगी। नेपाल को चाहिए कि वह अपने इस फैसले पर पुनर्विचार करे और ऐसा राश्ता अपनाए जिससे कानून का पालन भी हो और नागरिकों की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। यही सही लोकतांत्रिक समाधान है।

नेपाल की यह घटना पूरे विश्व के लिए भी सीख है। यह दिखाती है कि डिजिटल दुनिया में नियमों और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना कितना महत्वपूर्ण है। एक ओर सुरक्षा, अफवाहों और अपराधों पर नियंत्रण की जरूरत है, तो दूसरी ओर जनता की अभिव्यक्ति और संवाद की स्वतंत्रता का सम्मान भी उतना ही आवश्यक है। यदि यही संतुलन मिल जाता है, तो लोकतंत्र मजबूत रहेगा और डिजिटल दुनिया का लाभ सभी को मिलेगा।

नेपाल के निर्णय ने यह स्पष्ट किया है कि सरकारें डिजिटल दुनिया में सही कदम उठाने के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन इस जिम्मेदारी का मतलब जनता की आवाज़ पर अंकुश लगाना नहीं होना चाहिए। हर लोकतंत्र में नागरिकों की स्वतंत्रता सर्वोपरि है। इसलिए नेपाल को चाहिए कि वह कानून की कठोरता और लोगों की स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन बनाए, और सोशल मीडिया को केवल प्रतिबंध का शिकार न बनने दे।

अंततः यह निर्णय एक चेतावनी भी है कि सोशल मीडिया का महत्व अब केवल मनोरंजन या सूचना तक सीमित नहीं है। यह लोकतंत्र, रोजगार, सामाजिक संवाद और वैश्विक पहचान का अहम हिस्सा बन चुका है। इसे सही ढंग से नियंत्रित करना, नियम लागू करना और नागरिकों की आवाज़ सुरक्षित रखना ही भविष्य की दिशा है। नेपाल को चाहिए कि वह इस निर्णय का पुनर्विचार करे और ऐसा समाधान निकाले जो कानून का पालन सुनिश्चित करे, अफवाहों और साइबर अपराध पर रोक लगाए, और साथ ही जनता की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को भी सुरक्षित रखे। यही लोकतंत्र की सच्ची ताकत है।

वोट चोरी का जिन्न और सवाल जिम्मेदारी का

डॉ हिदायत अहमद खान

फार्म-07 के जरिए भूत वोट काटने का अनोखा मामला

आजाद भारत में यह पहली बार हो रहा जबकि आमजन का भरोसा डगमगाता दिख रहा है। वजह पिछले एक दशक से चुनाव में धांधली के आरोप कुछ ज्यादा ही लग रहे हैं। इस बीच कुछ नेताओं के साथ ही अनेक जानकारों ने सीधे-सीधे ईवीएम पर ही सवाल खड़े कर दिए। ऐसे में ईवीएम से मन-मुताबिक रिजल्ट लेने के गंभीर आरोप लगे। मामला कोर्ट तक गया और चुनाव आयोग ने भी अपने हिसाब से जवाब दिया और दावे-आपत्तियों के बीच मामला आयाराम-गयाराम होता दिखा है।

इसी बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जिस दृढ़ता के साथ वोट चोरी का मामला देश के सामने लाया उससे सभी की नींद उड़ गई। इस मामले को लेकर चुनाव आयोग अपनी जगह है, लेकिन कांग्रेस और बीजेपी ने कथित वोट की चोरी को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का खेल शुरु कर दिया है। इसे लेकर अब सवाल किए जा रहे हैं कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने के लिए वाशतव में कौन ज़िम्मेदार है? आखिर इसके लिए मतदाता या चुनाव आयोग किसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है?

एक सवाल और कि इस काम के लिए राजनीतिक दलों का क्या दायित्व है, जिन्हें चुनाव से एक माह पहले ही मतदाता सूची का प्रिंट आउट दिया जाता है? बहरहाल यहां बताते चलें कि कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने बिहार विधानसभा चुनावों और स्पेशल इंटेंसिव रिव्यू (एसआईआर) में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर अभियान को तेजधार दे रखी है। दरअसल बिहार में वोटर अधिकार यात्रा को जनता का जो समर्थन हासिल हुआ उससे विपक्ष खासा उत्साहित नजर आया है। यही कारण है कि अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक न्यूजलेटर जारी कर चुनाव आयोग और भाजपा पर वोट चोरी के आरोप को दमदारी के साथ दोहराने जैसा काम कर दिखाया है। यहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी चुनाव आयोग के क्रिया-कलापों को लेकर आलोचना की और सवाल उठाए कि क्या चुनाव आयोग मतदान में धांधली के लिए बीजेपी का बैक-ऑफिस बन गया है? सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए खड़गे कहते हैं, कि क्या चुनाव आयोग अब बीजेपी के लिए वोट चोरी का अड्डा बन गया है? कहा तो यह भी जा रहा है कि सत्ता प्राप्ति के बाद सरकार पर हमेशा बने रहने का भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं ने जिस तरह की बयानबाजी कर, दंभ दिखाया उसके बाद से ही यह समझ में आने लगा था कि कुछ तो दाल में काला है। खासतौर पर तब जबकि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दावा करते देखे गए कि अब उनकी पार्टी को 40-50 साल तक कोई सत्ता से बेदखल नहीं कर सकता है।

इसी बीच विपक्ष ने वोट चोरी के जो मामले उजागर किए और चुनाव आयोग व सरकार से सवाल किए उसके बाद देश के आमजन को समझने में देर न लगी कि मामला गंभीर है। बिहार में तो वोटर अधिकार यात्रा के दौरान साफ देखने में आया कि किस कदर आमजन विपक्ष के साथ कदम-ताल करने सड़कों पर उतर आया। इसे भाजपा और सरकार ने शक्तिप्रदर्शन मान लिया।

इसलिए सुरक्षा कवच की याद हो आई। मौजूदा सरकार और उनके अनुवांशिक संगठन यहां-वहां की बातें करते हुए ध्यान भटकाने का काम करने में लग गए। वहीं जनता का ध्यान न भटकने पाए विपक्ष ने कहना शुरु कर दिया, कि भारतीय लोकतंत्र का आधार निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया मानी जाती है। परंतु हाल ही में कर्नाटक में एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जो चुनाव प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाता है। इस बार की जांच से यह स्पष्ट हुआ है कि फार्म-07 के माध्यम से हजारों फर्जी वोट कटवाए गए थे।

विशेष रूप से महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के मोबाइल नंबरों का उपयोग करके गरुण-एप और अन्य एप्लिकेशन के माध्यम से कर्नाटक के आनंद विधानसभा क्षेत्र में वोट काटे गए।

यह मामला केवल एक चुनावी खेल नहीं, बल्कि संपूर्ण सिस्टम में छुपे साइबर फ्रॉड का प्रतीक बन गया है। बी आर पाटिल, जो कांग्रेस के प्रत्याशी थे, ने 2018 में आनंद विधानसभा क्षेत्र से केवल 697 वोटों से चुनाव हारने के बाद यह मामला उठाया। 2023 में जब चुनाव फिर से हुआ, तो उन्होंने इस पूरे मामले की गहराई से जांच शुरू की। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) कर्नाटक की जांच में सामने आया कि कुल 6000 से अधिक फॉर्म-07 एप्लीकेशन फर्जी तरीके से भरे गए थे।

इनमें से 5994 एप्लीकेशन जांच में झूठी पाई गईं। जांच के मुताबिक, फॉर्म-07 राष्ट्रीय वोटर सर्विस पोर्टल (एनव्हीएसपी), वोटर हेल्पलाइन ऐप, और गरुण ऐप के जरिए भरे गए थे। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आवेदन फॉर्म भरने वाले ज्यादातर लोग अनपढ़ ग्रामीण किसान थे। महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के मोबाइल नंबर से लॉगिन करके फॉर्म भरे गए। अधिकांश लोगों को गरुण ऐप के बारे में भी जानकारी नहीं थी, फिर भी उनके नंबर से फॉर्म भरकर वोट काटने की प्रक्रिया पूरी की गई।

सीआईडी ने चुनाव आयोग से कई बार तकनीकी डाटा मांगा, जिसमें आईपी लॉक्स (आईपी एड्रेस डिटेल्स), डायनामिक और स्टैटिक डेस्टिनेशन आईपी एड्रेस की जानकारी शामिल थी। इसके बावजूद, चुनाव आयोग से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। ऐसे में इस पूरे फ्रॉड का रहस्य अब तक अनसुलझा बना हुआ है। यह एक पेचीदा मामला बन गया है क्योंकि डायनामिक आईपी एड्रेस से 200 से अधिक लोगों की सिटिंग दर्ज की गई थी, जिससे यह संख्या लाखों तक पहुंच गई। जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि कई फॉर्म ऐसे थे जिनमें आधे-अधूरे डेटा भरे गए थे, लेकिन फिर भी उन्हें मंजूरी दे दी गई। ऐसा क्यों हुआ? किसके इशारे पर? इन सवालों का जवाब आज तक नहीं मिल सका। विशेष रूप से यह मामला इसलिए भी गंभीर बन जाता है क्योंकि लोकल बीएलओ (ब्लॉक लेवल ऑफिसर) के भाई का नाम फॉर्म-07 में दर्ज था।

यह मामला केवल आनंद विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं रह गया। यह पूरे देश के चुनावी तंत्र पर सवाल खड़ा करता है। दरअसल यह मॉडल उस तस्वीर को साफ तौर पर दिखाता है कि किस तरह फर्जीवाड़े को मैनिपुलेट करके चुनाव जीता जा सकता है। फर्जी फॉर्म-07 एप्लीकेशन भरकर न केवल वोट काटे गए, बल्कि यह पूरी प्रक्रिया चुनाव आयोग की छत्रछाया में हुई। इस मामले में चुनाव आयोग की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। सीआईडी ने साफ तौर पर कहा कि ओटीपी मल्टीफैक्टर ऑथेंटिफिकेशन की सुविधा नहीं थी। आवेदन प्रक्रिया में केवल मोबाइल नंबर भरकर फॉर्म सबमिट हो जाता था। न तो आवेदनकर्ता की सही पहचान की गई और न ही उस पर कोई सख्ती से वेरिफिकेशन किया गया। इसके कारण महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के मोबाइल नंबर से दूर बैठे हुए व्यक्ति भी कर्नाटक में वोट कटवा सकते थे।

जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस पूरे मामले को उजागर करने की कोशिश की, तो उनके खिलाफ भी तरह-तरह के आरोप लगाए गए। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान ना तो चुनाव आयोग ने प्राइमरी डाटा उपलब्ध कराया, ना ही डेस्टिनेशन आईपी एड्रेस का खुलासा किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक़ इस मामले में नेशनल डिबेट होना चाहिए था ताकि सार्वजनिक हित सुरक्षित रह सके, लेकिन आज तक यह मामला एक गूढ़ रहस्य बना हुआ है।

सियासी खेल को समझ रही जनता

देश का आमजन इस पूरे खेल को अब समझ रहा है और चिंतित भी है। आम नागरिक पूछ रहा है, क्या लोकतंत्र की ये व्यवस्था सही दिशा में जा रही है? क्या सिस्टम में ऐसे लॉजिक हैं, जो वोटरों की सुविधा के नाम पर फर्जीवाड़े को बढ़ावा दे रहे हैं? इस सवाल का जवाब न तो चुनाव आयोग ने दिया, न ही सरकार दे रही है। यह मामला भारतीय लोकतंत्र की मजबूती पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।

तकनीकी रूप से जटिल और राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस केस ने साफ कर दिया कि फर्जीवाड़ा केवल गणित का खेल नहीं, बल्कि सिस्टम की कमजोरी है। इसके समाधान के लिए सरकार और चुनाव आयोग को शीघ्र और पारदर्शी कार्रवाई करनी होगी। अन्यथा आने वाले समय में इस तरह के अनगिनत मामले सार्वजनिक हित और लोकतंत्र के मूलाधार को खोखला कर देंगे। देशवासियों की उम्मीदें अब सीआईडी, चुनाव आयोग और उच्च न्यायालय पर टिकी हैं, ताकि इस मामले की गहराई से जांच कर निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था बहाल की जा सके।

जीएसटी 2.0 : आत्मनिर्भर भारत की तरफ एक और कदम

प्रो. महेश चंद गुप्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर किए वादे को पूरा करते हुए दिवाली से पहले सरकार ने जनता को जीएसटी सुधार के रूप में ऐसा तोहफा दिया है, जो न सिर्फ आम जन के जीवन को सरल बनाएगा बल्कि 2047 तक विकसित भारत के सपने को और मजबूती से धरातल पर उतारेगा।

जीएसटी 2.0 केवल टैक्स सुधार नहीं बल्कि भारत की अगली आर्थिक यात्रा का मानचित्र है। जहां देशवासी खुश हैं, वहीं इस सुधार में गहरा अंतरराष्ट्रीय संदेश भी निहित है।

यह सुधार अमेरिका द्वारा लगाए 50 प्रतिशत टैरिफ का उत्तर भारत ने अपनी आर्थिक मजबूती और आत्म निर्भरता के रूप में दिया है। जीएसटी सुधार से किसान, महिला, युवा, मिडिल क्लास, छोटे व्यापारी और उपभोक्ता सभी लाभान्वित होंगे।

यह कदम केवल टैक्स प्रणाली को सरल बनाने का प्रयास मात्र नहीं है बल्कि भारत को एक तेज, सशक्त और आत्म निर्भर अर्थव्यवस्था में बदलने की दिशा में एक निर्णायक मोड़ है। यह सुधार जितना घरेलू श्तर पर आम लोगों को राहत देगा, उतना ही अंतरराष्ट्रीय श्तर पर भारत की सशक्त छवि को भी मजबूत करेगा।

बदलावों की जरूरत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रेखांकित किया है। मोदी ने कहा है कि अगर भारत को वैश्विक परिदृश्य में उचित स्थान दिलाना है तो समय-समय पर बदलाव बेहद जरूरी हैं। यह सुधार देश को सपोर्ट और ग्रोथ की डबल डोज देंगे। गरीब, मध्यम वर्ग, महिलाओं, छात्रों, किसानों और नौजवानों को इसका सीधा फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने यह भी दोहराया है कि यह सुधार सिर्फ टैक्स में बदलाव नहीं है, बल्कि आत्म निर्भर भारत के लिए अगली पीढ़ी का सुधार है।

सरकार ने आनन-फानन में यह फैसला नहीं किया है बल्कि उसने इस सुधार में सामाजिक संतुलन का विशेष ध्यान रखा है। तम्बाकू उत्पादों, सिगरेट, शराब, महंगी कारों, विमान आदि पर 40 प्रतिशत टैक्स लगाया गया है पर इसका सीधा असर अमीर वर्ग पर पड़ेगा जबकि गरीब और मध्यम वर्ग को सश्ती आवश्यक वश्तुएं मिलेंगी।

जीएसटी 2.0 का सबसे बड़ा असर यह होगा कि उपभोक्ताओं को सश्ता सामान मिलेगा और घरेलू खपत में इजाफा होगा। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि जब खपत बढ़ेगी तो उत्पादन और व्यापार का दायरा भी बढ़ेगा।

कंपनियां अधिक कर्मचारियों को नियुक्त करने की स्थिति में होंगी जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इस प्रकार जीएसटी सुधार और प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना मिलकर अर्थव्यवस्था को गति देंगे। उपभोक्ता को सश्ता सामान मिलेगा और युवा पीढ़ी को रोजगार के अवसर मिलेंगे। यह संतुलन अल्पकालिक राहत और दीर्घकालिक विकास दोनों को साथ लेकर चलेगा।

ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो 1 जुलाई 2017 को लागू किया गया वश्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) स्वतंत्रता के बाद सबसे बड़ा अप्रत्यक्ष कर सुधार था। इसने 17 केंद्रीय और राज्य करों को हटा कर 'एक राष्ट्र एक कर' लागू कर देश में सामान्य राष्ट्रीय बाजार का निर्माण किया। आठ वर्षों में जीएसटी लगातार विकसित हुआ है और अब डिजिटलीकरण तथा दर युक्तिकरण के जरिये यह भारतीय कर व्यवस्था की रीढ़ बन चुका है।

अर्थव्यवस्था के तेजी से बदलते स्वरूप को देखते हुए टैक्स प्रणाली को सरल और व्यवहारिक बनाना आवश्यक हो गया था। सरकार ने इसी जरूरत को समझते हुए जीएसटी 2.0 के रूप में एक ऐसा सुधार सामने रखा है जो व्यापक दृष्टिकोण से सोचा-समझा और जन हितैषी है।

जीएसटी 2.0 में सबसे बड़ा परिवर्तन टैक्स स्लैब की संख्या घटाना है। पहले चार प्रमुख दरें थीं यानी 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत। अब इन्हें घटाकर सिर्फ दो कर दिया गया है। जरूरी सामानों पर 5 प्रतिशत और सामान्य वश्तुओं पर 18 प्रतिशत टैक्स लगेगा।

इससे उपभोक्ताओं को सीधी राहत मिलेगी। किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को विशेष ध्यान में रखते हुए ट्रैक्टर, खेती के औजार, हश्तशिल्प और मार्बल पर टैक्स 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। इसका असर दूरगामी होगा क्योंकि कृषि की लागत कम होगी जिससे ग्रामीण बाजारों में रौनक बढ़ेगी।

सरकार ने कुछ वश्तुओं को टैक्स के दायरे से बाहर ही रखा है। इसका उद्देश्य है कि आम आदमी की जिंदगी से जुड़ी बुनियादी जरूरत वाली चीजें और सश्ती हों और उनका बोझ आम आदमी की जेब पर न बढ़े। जीएसटी 2.0 का सबसे बड़ा फायदा उपभोक्ताओं को होगा। जब जरूरी सामान सश्ते होंगे तो आम परिवारों की मासिक बचत बढ़ेगी।

किसान को कम लागत में उपकरण मिलेंगे तो उत्पादन बढ़ेगा। छोटे व्यापारी और दुकानदारों को टैक्स की जटिलता से मुक्ति मिलेगी जिससे उनका कारोबार सहज होगा। जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा को टैक्स फ्री करना बड़ा कदम है। कैंसर सहित 33 जीवन रक्षक दवाइयों पर टैक्स घटाना भी सराहनीय है।

महिलाओं को घरेलू जरूरतों की चीजें कम कीमत पर उपलब्ध होंगी। युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, क्योंकि बढ़ती खपत उद्योगों को उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी। इस तरह यह सुधार केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा।

यह सुधार उस समय आया है जब अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा रखा है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने इन टैरिफों को अपने राष्ट्रीय हित में सही ठहराया है परंतु भारत ने इसका जवाब किसी राजनीतिक बयानबाजी से नहीं बल्कि ठोस आर्थिक सुधार से दिया है।

जीएसटी 2.0 इस बात का प्रतीक है कि भारत अपनी अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाने की राह पर है। यह कदम वैश्विक समुदाय के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि भारत चुनौतियों से घबराने वाला नहीं बल्कि उन्हें अवसर में बदलने वाला देश है। अमेरिकी टैरिफ से होने वाले संभावित नुकसान की भरपाई घरेलू खपत को मजबूत बनाकर की जा सकती है। यही रणनीति भारत को आर्थिक रूप से और सुदृढ़ बनाएगी।

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का सपना देख रहा है। उस दिशा में जीएसटी 2.0 एक अहम कड़ी है। यह सुधार केवल टैक्स दरों का नहीं बल्कि सोच का बदलाव है। यह ऐसी सोच है जो आम आदमी को केंद्र में रखती है और साथ ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए भारत को तैयार भी करती है। दुनिया की तेजी से बदलती आर्थिक परिस्थितियों में भारत को अपनी नीति और दृष्टि दोनों को अपडेट रखना होगा।

जीएसटी 2.0 इस दिशा में एक ठोस शुरुआत है जिसका परिणाम आने वाले सालों में भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएगा। जीएसटी सुधारों से सरकार ने साफ कर दिया है कि अब लक्ष्य केवल नीति बनाना नहीं बल्कि उसे जमीन पर उतारकर परिणाम दिखाना है। यह सुधार किसानों से लेकर शहरी उपभोक्ताओं तक, छोटे दुकानदार से लेकर बड़े उद्योगों तक, हर किसी के लिए मायने रखता है। यह केवल टैक्स सुधार नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक आत्मनिर्भरता का नया अध्याय है।

हालांकि इन सुधारों से सरकार को 47,700 करोड़ रुपये का सालाना राजस्व नुकसान होगा मगर बाजारों में बूम आने की संभावना से इसकी भरपाई के प्रति हर कोई आश्वश्त है। माना जा रहा है कि टैक्स दरें संतुलित होने से जहां टैक्स ज्यादा आएगा, वहीं टैक्स चोरी रुकेगी। एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि टैक्स कटौती की वजह से खरीदारी बढ़ेगी और इकॉनमी में 1.98 लाख करोड़ रुपये तक की खपत का इजाफा होगा।

देश के प्रमुख उद्योगपतियों और अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह सुधार भारत की आर्थिक रफ्तार को और तेज करेगा। इससे भारत की जीडीपी वृद्धि दर 8 प्रतिशत से ऊपर जा सकती है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि मांग को बढ़ाने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने के लिए एकदम सही पॉलिसी है। भारत अब दिखाएगा कि डेड इकॉनमी कैसी दिखती है।

ट्रंप ने भारत को डेड इकॉनमी बताया था। सरकार का भी यही दावा है कि सरल टैक्स प्रणाली से लोग ज्यादा टैक्स देंगे जिससे राजस्व बढ़ेगा। जब राजस्व बढ़ेगा तो सरकार के पास विकास परियोजनाओं पर खर्च करने के लिए अधिक संसाधन होंगे। स्वदेशी की मांग बढ़ने का भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

मोदी ने भी स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया है हालांकि, यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि जीएसटी सुधारों की घोषणा मात्र से ही सारी समस्याएं खत्म हो जाएंगी। असली चुनौती इसके प्रभावी क्रियान्वयन की है।

राज्य सरकारों की सहमति, प्रशासनिक तंत्र की दक्षता और टैक्स चोरी रोकने पर नियंत्रण से ही पता चलेगा कि यह सुधार कितना सफल होता है। अपेक्षित नतीजे आने में कम से कम छह महीने तो लगेंगे ही।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर विशेष: निराशा से आशा की ओर: आत्महत्या के खिलाफ जंग

ललित गर्ग

दुनिया में आत्महत्या आज एक गहरी एवं विडम्बनापूर्ण वैश्विक चुनौती बन चुकी है। हर साल लाखों लोग अपनी ही जिंदगी से हार मान लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल लगभग 7.2 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। यह सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट भी है। 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण आत्महत्या है। यही वजह है कि हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है।

2024 से 2026 तक इसकी थीम "चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड" रखी गई है, जिसका उद्देश्य है आत्महत्या पर खामोशी तोड़कर इसे एक निष्क्रिय विषय से संवाद और सहयोग का सक्रिय विषय बनाना। आत्महत्या पर दृष्टिकोण का यह बदलाव आत्महत्या के बारे में लोगों की सोच और बातचीत के तरीके को चुनौती देता है, खुले और ईमानदार संवाद को बढ़ावा देता है जो कलंक को तोड़ता है और समझ को बढ़ावा देता है।

आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये।

निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है।

आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमज़ोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है।

वैश्विक श्तर पर यह एक गंभीर समस्या है, दुनिया भर से आते नए आंकड़े इस चुनौती की गंभीरता को और उजागर करते हैं। 2021 में अनुमानित 7.27 लाख आत्महत्याएं हुईं और विश्व में हर 43 सेकेंड में कोई एक व्यक्ति खुदकुशी कर रहा है। 73 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में होती हैं और सबसे अधिक असर युवा और गृहिणियों पर पड़ता है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि आत्महत्या करने वाली महिलाओं में 51.5 प्रतिशत गृहिणियां थीं। आत्महत्या की दर दो दशकों में 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति एक लाख हो गई है।

उत्तराखंड जैसे राज्यों में पारिवारिक कलह आत्महत्या का बड़ा कारण है। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा क्षमता से अधिक हो चुकी है, पारिवारिक सामंजस्य खत्म हो गया है, असफलता का डर और तनाव सहने की क्षमता कम हो गई है। यही कारण है कि पढ़ाई के दबाव, नौकरी में असफलता, रिश्तों के टूटने और आर्थिक अभाव से युवा और किशोर आत्महत्या की ओर धकेले जा रहे हैं।

भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में 1, 70, 924 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है और आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख जनसंख्या रही। यह दर पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इनमें 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या दो-तिहाई से अधिक है, जो दर्शाता है कि देश का युवा और कार्यशील वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं-सिक्किम में आत्महत्या दर लगभग 43 प्रति लाख रही जबकि बिहार में यह 1 से भी कम है। आत्महत्या के पीछे अनेक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कारण जुड़े हुए हैं।

बेरोज़गारी, गरीबी, पारिवारिक कलह, असफल प्रेम, नशे की लत और बीमारियां इसका बड़ा कारण बन रही हैं। मानसिक रोग और अवसाद ने इस समस्या को और गहरा किया है। एनसीआरबी के अनुसार 2018 से 2022 के बीच मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कारणों से आत्महत्या के मामलों में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

2022 के आँकड़े बताते हैं कि आत्महत्या के प्रमुख कारणों में 33 प्रतिशत मामले पारिवारिक समस्याओं से जुड़े थे, लगभग 19 प्रतिशत मामले बीमारियों के कारण हुए, जबकि 6-7 प्रतिशत मामले विवाह सम्बन्धी समस्याओं और 6 प्रतिशत मामले ऋण और कर्ज़ से संबंधित थे। छात्र आत्महत्या का आंकड़ा भी बड़ा चिंताजनक है-2022 में यह कुल आत्महत्याओं का 7.6 प्रतिशत रहा। वैश्विक श्तर पर भी स्थिति गंभीर है, परंतु भारत में यह और ज्यादा जटिल इसलिए है क्योंकि यहां सामाजिक प्रतिस्पर्धा, उपभोक्तावादी जीवनशैली, परिवार का टूटता हुआ ढांचा और आर्थिक असमानता आत्महत्या की प्रवृत्ति को तेज़ कर रही है। आत्महत्या केवल एक जीवन का अंत नहीं है, बल्कि यह एक पूरे परिवार और समाज की आशाओं का विघटन है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए केवल व्यक्तिगत प्रयास पर्याप्त नहीं हैं बल्कि समाज और सरकार दोनों को संयुक्त रूप से कार्य करना होगा। भारत सरकार ने 2017 में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम पारित करके आत्महत्या प्रयास को अपराध की श्रेणी से बाहर किया और 2020 में 'किरण' नामक राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की जो 13 भाषाओं में चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराती है।

2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति बनाई गई जिसका लक्ष्य 2030 तक आत्महत्या दर में 10 प्रतिशत की कमी लाना है। इसमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विश्तार, परामर्श केंद्रों की स्थापना, रोजगार सृजन, परिवारिक संवाद को मजबूत करना, मीडिया की संवेदनशीलता और सामाजिक सहयोग जैसे उपायों पर जोर दिया गया है।

साथ ही स्वयंसेवी संस्थाओं और हेल्पलाइन सेवाओं-जैसे आसरा, वंद्रेवाला, समैरिटन्स मुंबई-की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। आत्महत्या को रोकने का सबसे बड़ा उपाय यही है कि व्यक्ति को निराशा के अंधकार में छोड़ने के बजाय उसके जीवन में आशा, साहस और सहयोग का संचार किया जाए क्योंकि कठिनाइयों का समाधान आत्महत्या में नहीं बल्कि संघर्ष, विश्वास और सहारा देने वाले समाज में है।

दुनिया का यह दुखद सच यह भी है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से बीमारियों से मरने वालों की संख्या घटी है पर आत्महत्या के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ी है। भौतिकवादी जीवनशैली, प्रतिस्पर्धा, अवसाद और असंतुलन ने मनुष्य को भीतर से खोखला बना दिया है। प्रसिद्ध कलाकार, जिनका सार्वजनिक जीवन में हंसता खेलता चेहरा दिखाई देता है, कभी अचानक आत्महत्या कर लेते हैं क्योंकि भीतर का अकेलापन और दबाव उन्हें जीने नहीं देता।

सवाल यह है कि जिनके पास साधन और सहयोग की कमी नहीं, वे भी क्यों जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बर्दाश्त नहीं कर पाते। किसानों की आत्महत्या, आर्थिक तंगी, व्यापार में नुकसान, रिश्तों का टूटना, तलाक और अभाव की स्थिति आत्महत्या की सबसे बड़ी जड़ें हैं। समाज और परिवार का विघटन भी व्यक्ति को असहाय बना देता है।

आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। टॉयनबी ने ठीक ही कहा है कि कोई भी संस्कृति हत्या से नहीं बल्कि आत्महत्या से मरती है। इस स्थिति को बदलना जरूरी है। सरकारों, संगठनों, समुदायों और परिवारों की जिम्मेदारी है कि वे संवाद और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दें। जब कोई व्यक्ति संकट में हो तो परिवार, दोश्त, पड़ोसी और सहकर्मी उसे अकेला न छोड़ें बल्कि उसका हाथ थामें।

हमें एक ऐसी सामाजिक संरचना बनानी होगी जहां मदद मांगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस माना जाए। जहां तनाव और अवसाद को गंभीरता से समझा जाए और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिले।

जहां बच्चों को बचपन से ही संघर्षों से लड़ने की शिक्षा दी जाए और असफलताओं को जीवन का हिस्सा समझने का दृष्टिकोण विकसित किया जाए। आत्महत्या रोकथाम दिवस हमें यही संदेश देता है कि आत्महत्या से बचा जा सकता है, संवाद और सहयोग से जीवन बदला जा सकता है, और हर व्यक्ति को नई शुरुआत का अवसर दिया जा सकता है। यह दिन हमें यह समझाने आता है कि जिंदगी कठिन जरूर है लेकिन जीने के विकल्प हमेशा मौजूद हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

हत्या के मामलें में दोषी को सश्रम आजीवन कारावास

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। एसएसपी के निर्देशन में प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को शीघ्र सजा दिलाने हेतु चलाए ऑपरेशन कन्विक्शन के क्रम में अलीगढ़ पुलिस की गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं अभियोजन की संयुक्त प्रभावी पैरवी से न्यायालय द्वारा हत्या के मुकदमे में आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनायी गयी है। थाना गांधीपार्क पर पंजीकृत हत्या के मुकद्में में दोषी मनोज कुमार पुत्र बनवारी लाल निवासी मान सिंह आदर्श स्कूल के पास थाना गांधीपार्क अलीगढ़ को माननीय न्यायालय द्वारा दोषी पाये जाने पर सश्रम आजीवन कारावास की सजा 55 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया ।

एसपी देहात द्वारा सर्किल बरला का किया अर्दली रुम

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। एसपी देहात अमृत जैन द्वारा सर्किल बरला के थाना अकराबाद,बरला विजयगढ़ का पुलिस कार्यालय पर अर्दली रुम किया गया । थानों पर नियुक्त सभी विवेचकों से विवेचनाओं के निश्तारण की स्थिति की जानकारी ली गई तथा लम्बित विवेचनाओं को गुण दोष के आधार पर शीघ्र निश्तारण हेतु क्षेत्राधिकारी बरला व थाना प्रभारी एवं सम्बन्धित विवेचकों को निर्देशित किया गया । अर्दली रूम के दौरान थानों में लंबित विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निश्तारण हेतु संबंधित विवेचकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। लंबित वारंटों, गैर-जमानती वारंटों तथा जमानती वारंटों की शीघ्र तामीली के लिए स्पष्ट आदेश जारी किए गए। इसके अतिरिक्त अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था की सुदृढ़ बनाए रखने, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध की रोकथाम तथा भूमि विवाद जैसे प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने हेतु अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया गया। थानों के अभिलेखों की जांच कर उनकी अद्यतनता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया तथा जन शिकायतों के निश्तारण को प्राथमिकता के आधार पर करने के आदेश दिए गए।

पार्टी के स्थापना दिवस पर हुआ गौमाता राष्ट्रमाता सम्मेलन

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। बीवी गर्ल्स इंटर कॉलेज मेंल रोज बाईपास पर बड़ी धूमधाम से भ्रष्टाचार विरोधी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी के 11 वें स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमें गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने और भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश की आवाज उठाई गई। गौमाता राष्ट्रमाता सम्मेलन में भ्रष्टाचार विरोधी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित केशव देव गौतम, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी, राष्ट्रीय सचिव भवेश शर्मा जिला अध्यक्ष हरिगढ़, संजीव शर्मा, बृजेश चौहान, देवेंद्र और भोलू जाट, दलवीर, कुंतेश कुमारी, पुष्पा पाठक, ममता प्रजापत, शिवकुमार, चमन गौतम, राजेश गौतम, सीपी गौतम, संतोष यादव, संजीव शर्मा, राकेश राम साइंस, सरदार मुकेश सैनी, गजेंद्र, प्रताप सिंह, भोले शंकर, डॉक्टर महेश चंद, डॉक्टर सुशील शर्मा, जल सिंह आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महा-अधिवेशन एवं वैडिंग एक्सपो में शामिल होगें टेंट कैटर्स एवं डेकोरेटर्स

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। जिले में टेंट कैटर्स एवं डेकोरेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन रजि. की एक आवश्यक बैठक सौभाग्य रामघाट रोड पर आहूत की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष प्रदीप गंगा ने कहा कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में उ प्र टेंट कैटर्स एवं डेकोरेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा महाअधिवेशन एवं वैडिंग एक्सपो (प्रदर्शनी) का 12,13,14 सितंवर तीन दिवसीय आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रखा गया है। जिसमें सम्पूर्ण देश से शादी इवेंट के सम्बंधित स्टाल लगाए जाएंगे हम सभी टैंट कैटर्स एवं डेकोरेटर्स आदि का कार्य करने वालों के लिए सुनहरा मौका है कि उन्हें अपने कारोबार से सम्बंधित नये नये आइटम देखने को मिलेंगे तथा वुक कराने का अवसर प्राप्त होंगा। अलीगढ़ से बढ़ी तादाद में व्यापारी लखनऊ पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाऐं तथा अपने संगठन की शक्ति, एकता एवं सोहार्द का उदाहरण प्रस्तुत करें। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित सोभाग्य ने कहा कि अधिक से अधिक संख्या में हम सभी को लखनऊ चलना है। राजीव माहेश्वरी ने कहा कि महाधिवेशन में वैडिंग इंडस्ट्रीज से जीएसटी 18/परसेंट से 5/. करने की मांग भी बुलंद की जाएगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित जिला महामंत्री लालाराम लोधी जिला वरिष्ठ अमित सोभाग्य, राजीव माहेश्वरी,रवि सैनी, श्याम कैटर्स, महेश चन्द्र वघेल, सुरजीत अहमद,मो.आरिफ, निजामुद्दीन, देवेंद्र पप्पू, प्रमोद कुमार, रवि सैनी, सतीष सैनी,योगेंद्र कमल, अरविंद सिंह मदनलाल लोधी, गुड्डू राजपूत, राजू, लवकुश, सुनील यादव, मयंक कुमार,सोनू, गांधी गुप्ता, सतीश सैनी, मनोज,अतुल कुमार, छोटे लाल, नसरुद्दीन मलिक, राजू, सत्यप्रकाश आदि थे।

सीएम योगी ने कहा- नफरत फैलाने का माध्यम बनता जा रहा सोशल मीडिया

बस्ती , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेट फार्म का सोसाइटी में दुरुपयोग हो रहा है। इस प्लेटफार्म का उपयोग अच्छी शिक्षा के लिए किया जाना था। कोरोना काल में जगह-जगह से ऑन लाइन शिक्षा की व्यवस्था की गई। यह इसका सकारात्मक पक्ष है।

मगर दूसरी तरफ सोशल मीडिया गलत ग्रुप बनाकर जातियों के बीच गाली-गलौज करने का माध्यम बनती जा रही है। फेक ग्रुप बनाकर नफरत फैलाने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। टेक्नॉलोजी को अपने अनुरूप ढालने का दायित्व हमारे ऊपर है। उसे समाज लोक कल्याण के लिए कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है,इस पर काम करना होगा।

विद्या भारती के नए प्रकल्प का भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रकृति और परमात्मा का प्रदेश है। हमारे पास सब कुछ है लेकिन हम भाग्य के भरोसे छोड़े हुए हैं। जिसे बीमारू कहा जाता था आज वही उत्तर प्रदेश विकास का इंजन बन गया है। आज से चार सौ वर्ष पहले भारत में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था थी।

मगर भारत के आजाद होते तक इतना लूटा गया कि वह कमजोर होता गया। भारत को तोड़ा गया, उसकी विरासत को लूटा गया। विदेशी ताकतें देश के लोगों को हतोत्साहित करते थे। जिसका असर यह हुआ कि लोग हेय दृष्टि से देखने लगे थे। सालार मसूद को जगह-जगह पूछने लग गए लेकिन सुहेल देव महाराज को भूलते गए।

स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने की पैरवी करते हुए कहा कि विदेशी कंपनियों को जाने वाला पैसा आतंकवादियों तक आता है। सैनिकों के प्रति सम्मान का भाव रखना होगा।

सीएम ने कहा कि सभी को विकसित बनना होगा। इसके लिए योजना बनाकर काम करना होगा। कहा कि प्रधानमंत्री ने आगामी 25 वर्ष की कार्य योजना बनाने को कहा है। योजना बनाकर किए गए कार्य से ही समर्थ बना सकते हैं। सरकार हर साल अपना बजट प्रस्तुत करती है, जिसमें एक विजन होता है, जिसमें एक वर्ष के लिए तो व्यवस्था करते ही हैं, पांच व पच्चीस वर्ष की भी योजना बनाई जाती है।

इसी तरह सभी को अल्प कालीन, मध्य कालीन और दीर्घ कालिक योजना बनाना चाहिए। एआई जिस तेजी से बढ़ रहा है,उसमें नया सबक होगा। इसका महत्वपूर्ण कार्यो में इसका इस्तेमाल तो करें लेकिन इसका दुरुपयोग भी बहुत हो रहा है। डीप फेक के माध्यम से ब्लैक मेलिंग, डिजिटल अरेस्ट को रोकने के लिए सरकार ने उपाय तो किए हैं लेकिन टेक्नोलॉजी हमारे किसी आगे बढ़ाने में इसका उपयोग तो करना चाहिए लेकिन यदि मनोरंजन के लिए तीन-चार घंटे खर्च कर रहे हैं तो अपने पैर में कुल्हाड़ी मार रहे हैं।

शराब, डांस और फिर...नाइट क्लब में युवक - युवतियों ने किया ऐसा कांड, मच गया बवाल; पुलिस के छूटे पसीने

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना रकाबगंज क्षेत्र स्थित एक होटल के नाइट क्लब शो में रविवार आधी रात को नशे में धुत युवक और युवतियों ने बिल पर हुए विवाद के बाद मारपीट कर दी। आरोप है कि कर्मचारियों के रोकने पर तोड़फोड़ करने लगे। बाद में गाड़ी लेकर जाने का प्रयास किया। कर्मचारी के रोकने पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। किसी तरह कर्मचारी ने खुद को बचाया। मामले में दो युवती और 4-5 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को एक युवक को पकड़ लिया।

घटना रात तकरीबन ढाई बजे की है। होटल के कैशियर महावीर प्रसाद ने बताया कि रात्रि में नाइट क्लब शो चल रहा था। तभी थार गाड़ी से एक युवती के साथ 5-6 युवक आए। उन लोगों ने क्लब में खाना खाया। इस दौरान डांस भी किया। शराब भी पीते रहे। बाद में जाने लगे। जब कर्मचारियों ने बिल चुकाने के लिए कहा तो वो आनाकानी करने लगे। इस पर उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वो मानने को तैयार नहीं हुए। हाथापाई भी करने लगे।

रोकने पर होटल परिसर में तोड़फोड़ करने लगे। इससे सभी लोग घबरा गए। इसके बाद चार युवक और दो युवतियां बाहर निकल आए। गाड़ी में बैठकर जाने लगे। मगर कर्मचारियों के रोकने पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। बाद में वो किसी तरह बच सके। मामले में उन्होंने कार्रवाई की मांग की। डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि केस दर्ज कर एक आरोपी को पकड़ लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। अन्य की तलाश में टीम लगी है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए जा रहे हैं।

तालाब बने स्कूल ने बढ़ाई दुश्वारियां, निजी घर के बाहर बैठकर पढ़ने को मजबूर बच्चे

पीलीभीत , एजेंसी। बरसात का पानी अब देहात क्षेत्र के विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था पर गहरा असर डाल रहा है। बरखेड़ा क्षेत्र के रामनगर ग्राम पंचायत के मजरा लक्ष्मणपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय और रामनगर बरखेड़ा का उच्च प्राथमिक विद्यालय जलभराव से प्रभावित हैं। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि शिक्षक बच्चों को निजी घर के बाहर पढ़ाने पर मजबूर हो गए हैं।

रामनगर बरखेड़ा के उच्च प्राथमिक विद्यालय में कुल 161 बच्चों का पंजीकरण है, लेकिन सोमवार को केवल 70 ही बच्चे पहुंचे। विद्यालय परिसर में बदबूदार पानी है, पीने का नल आधा डूब चुका है और शौचालयों में दो फिट पानी भरा होने से उपयोग बंद हो गया है। इंचार्ज अजय कुमार ने बताया कि मध्यान्ह भोजन भी दूषित पानी से बनने के कारण बच्चों की सेहत पर खतरा मंडरा रहा है।

वहीं, लक्ष्मणपुर प्राथमिक विद्यालय में हालात और भी खराब हैं। यहां चार फिट तक पानी भरा हुआ है। विद्यालय तालाब में तब्दील हो गया है, इसके चलते इंचार्ज वरुण गंगवार ने कुछ बच्चों को पास के मोहल्ले नोआ नगला स्थित एक निजी घर के बाहर पढ़ाना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि हर बरसात में यह स्कूल तालाब बन जाता है। ग्रामीणों और अभिभावकों ने प्रशासन से तत्काल जलभराव की समस्या का समाधान कर बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य सुरक्षित करने की मांग की है।

राष्ट्रीय ध्वज को क्षतिग्रस्त करने का आरोप, ग्रामीणों ने घेरा झंगहा थाना- किया रोड जाम

गोरखपुर , एजेंसी। थाना क्षेत्र के पांडेय टोला स्थित टावर पर लगे राष्ट्रीय ध्वज को क्षतिग्रस्त करने के आरोप में सोमवार को सुबह ग्रामीणों ने झंगहा थाने का घेराव कर दिया। आरोप था कि कुछ असामाजिक तत्वों ने जानबूझकर राष्ट्रीय ध्वज को नुकसान पहुंचाया है। जब पुलिस की ओर से कार्रवाई की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई तो वे थाने पर हंगामा करते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे।

करीब आधे घंटे तक किसी पुलिसकर्मी के नहीं पहुंचने पर ग्रामीण चौराहे की ओर बढ़े और वहां विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया। इस दौरान पुलिस विरोधी नारेबाजी भी की गई। इसके बाद पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया और ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन दिया। करीब 11 बजे मामला शांत हुआ और ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया। पांडेय टोला स्थित एक टावर पर धार्मिक और राष्ट्रीय ध्वज दोनों लगाए गए थे, जिन्हें लेकर रविवार को विवाद शुरू हुआ था। एक समुदाय के लोगों ने आरोप लगाया कि उनके धार्मिक ध्वज को कुछ लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। इस पर उन्होंने थाने में तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए अमित गोंड के खिलाफ शांति भंग की धारा में कार्रवाई की।

रविवार शाम को जब ग्रामीणों को इस मामले की जानकारी मिली तो वे थाने पहुंचे और राष्ट्रीय ध्वज को क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया और कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीण वापस चले गए।सोमवार सुबह पुलिस की तरफ से ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने पर ग्रामीणों ने फिर से झंगहा थाने का घेराव किया और सड़क जाम कर दिया। इस दौरान उनका आरोप था कि पुलिस दूसरे समुदाय के साथ मिली हुई है और जान बूझकर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं कर रही है। मामला बढ़ने पर थाना प्रभारी ने दोपहर 11 बजे ग्रामीणों को बताया कि एक और आरोपी को पकड़ लिया गया है।एसपी नॉर्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच चल रही है। चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

भंडारे का बचा प्रसाद बन गया जहर, गांव के 300 से ज्यादा लोग बीमार; इलाज में जुटी स्वास्थ्य विभाग की टीम

कासगंज , एजेंसी। कासगंज के सिढ़पुरा थाना क्षेत्र के गांव कायमपुर में फूड प्वाइजनिंग से 300 से ज्यादा लोग बीमार पड़ गए। भंडारे का बचा हुआ खाना खाने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ गई। बीमारों को जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंजडुंडवारा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिढ़पुरा और निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांव पहुंच गई है। गांव में भी मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव कायमपुर के हनुमान मंदिर पर चंदा करके कथा का आयोजन कराया गया। कथा के समापन पर रविवार को भंडारा हुआ। भंडारे में गांव लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सोमवार को भी भंडारे का बचा हुआ खाना ग्रामीणों ने बांट गया। इसे खाने के बाद गांव में लोगों की तबीयत खराब होनी शुरू हो गई। लोगों को उल्टी, दस्त और पेट में दर्द होने लगा। सोमवार रात को लोगों की हालत ज्यादा बिगड़ने लगी तो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंजडुंडवारा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिढ़पुरा और निजी चिकित्सक के यहां उन्हें भर्ती कराया गया। गांव में फूड प्वाइजनिंग की सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई।

स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने मंगलवार की सुबह से गांव में डेरा डाल दिया।

मरीजों की जांच कर उनका उपचार किया जा रहा है। जिन मरीजों की हालत गंभीर है। उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। आलम यह है कि जिला अस्पताल से लेकर निजी चिकित्सक के यहां मरीजों को भर्ती कराया गया है। फूड प्वाइजनिंग से 300 से ज्यादा लोगों के बीमार पड़ने की बात कही जा रही है। स्वास्थ्य विभाग मरीजों का आंकड़ा जुटाने में लगा हुआ है। वहीं, फूड प्वाइजनिंग की सूचना पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम भी गांव पहुंच गई है।

गांव में चारपाई पर हो रहा इलाज

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में शायद ही ऐसा कोई घर बचा हो, जिसमें फूड प्वाइजनिंग से कोई बीमार न पड़ा हो। गांव की स्थिति यह है कि हर ओर चारपाई पर मरीज ही मरीज नजर आ रहे हैं। चारपाई पर ही उनका उपचार किया जा रहा है।

अवैध धर्मांतरण: हिंदू युवतियां और अंग बेचने वाला गिरोह, आयशा को नहीं मिली जमानत, 12 सितंबर को सुनवाई

आगरा , एजेंसी। आगरा के सदर की सगी बहनों का धर्मांतरण के मामले में जेल भेजी गई आरोपी गोवा की एसबी कृष्णा उर्फ आयशा को जमानत नहीं मिल सकी। जिला जज संजय कुमार मलिक ने प्रार्थना पत्र निरस्त करने के आदेश दिए। मामले में चार अन्य के प्रार्थना पत्र पर वादी के अधिवक्ताओं की ओर से काउंटर दाखिल करने के लिए समय मांगा गया। इस पर अब 12 सितंबर को सुनवाई होगी।

थाना सदर में सगी बहनों के अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले में दोनों बहनों को बरामद कर 14 आरोपियों को जेल भेजा गया था। जांच में कई तथ्य सामने आए थे। गिरोह विदेशी फंडिंग से धर्मांतरण करा रहा था। युवतियों को कश्मीर ले जाया जाता था। उनका ब्रेनवॉश किया जाता था। इसके बाद धर्मांतरण कराया जाता था। गिरोह के तार मानव तस्करी और अंग बेचने वाले गिरोह से भी सामने आए थे। धर्मांतरण के मामले में गुजरा भाट, गोवा की आरोपी एसबी कृष्णा उर्फ आयशा को जेल भेजा गया था। आरोपी की ओर से सत्र न्यायालय में जमानत याचिका प्रस्तुत की। वादी की तरफ से जिला शासकीय अधिवक्ता राधा कृष्ण गुप्ता, दीपक शर्मा, जगदीश कुमार ने जमानत प्रार्थना पत्र का विरोध किया।

वहीं आरोपी की ओर से अधिवक्ता ऋषि राज चौहान, विलाल अहमद ने कहा कि उसे झूठा फंसाया गया है। वह मुकदमा में नामजद नहीं थीं। इसी मामले में आरोपी शेखर राय उर्फ हसन अली, रिथ बनिक उर्फ मोहम्मद इब्राहिम, अबू तालिब एवं पीयूष पंवार उर्फ मोहम्मद अली के जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई को 12 सितंबर तय की है।

दो सौ मीटर तक बिना कोच के दौड़ा इंटरसिटी का इंजन

देवरिया , एजेंसी। देवरिया में एक इंजन बिना के कोच के दौ सौ मीटर तक दौड़ गया। इसे देखकर स्टेशन पर अफरा तफरी मच गई। मामला समझ में आते ही इंजन को रोककर वापस लाया गया। इसके बाद कोच जोड़कर इंजन आगे बढ़ा।

जिले के नूनखार रेलवे स्टेशन पर सुबह छपरा इंटरसिटी ट्रेन आकर रुकी। ट्रेन चलने को हुई, यात्री अपने कोच में बैठ गए। हार्न देने के बाद ट्रेन चली। इंजन आगे बढ़ गया। कोच पीछे छूट गए। इसकी जानकारी होते ही अफरा तफरी मच गई। यात्री कोच उतर कर प्लेटफार्म पर आ गए। कुछ यात्री स्टेशन मास्टर से जानकारी लेने पहुंच गए।

अकेले इंजन को जाते देखकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। इधर लोको पायलट को इसका अहसास हुआ तो उसने इंजन को रोक दिया। इसके बाद इंजन वापस लाकर कोच से जोड़ा गया। करीब 20 मिनट ट्रेन रवाना हुई।

लखनऊ में पकड़े गए बांग्लादेशी नसीम ने उन्नाव में बनवाया था निवास, आधार और पासपोर्ट

सोनिक , एजेंसी। लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पर पुलिस के हत्थे चढ़े बांग्लादेशी युवक के तार उन्नाव से जुड़े हैं। उसके पास दही थाना क्षेत्र के गढ़ी गांव के पते पर वर्ष 2018 का बना आधारकार्ड मिला है। लखनऊ से एसपी के पास फोन आते ही एलआईयू, इंटेलीजेंस ब्यूरो और पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने गढ़ी गांव के पूर्व प्रधान को पूछताछ के लिए उठाया है। कोटेदार से भी जानकारी ली गई है। जांच में पता चला कि युवक दही क्षेत्र के एक स्लाटर हाउस में काम करता था और गढ़ी गांव में किराए के घर में रहता था।

लखनऊ स्थित एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन जांच में बांग्लादेशी मोहम्मद नसीम को पकड़ा गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक वह पिछले महीने ही बांग्लादेश से लौटा था और मलेशिया भागने की फिराक में था। जांच में उसके पास से आधार कार्ड, तहसील का निवास प्रमाणपत्र और पैन कार्ड भी मिला है।

उन्नाव के गढ़ी गांव में किराए के घर में रहने का पता चलने लखनऊ से एसपी दीपक भूकर को जानकारी दी गई। एसपी के निर्देश पर दही थाना पुलिस के साथ एलआईयू, आईबी सक्रिय हुई। टीम उस समय के ग्राम प्रधान नीरज यादव के घर पहुंची और जानकारी की। जवाबों से संतुष्ट न होने पर पुलिस उन्हें थाने लाकर पूछताछ कर रही है।

एलआईयू ने कोटेदार से भी जानकारी जुटाई लेकिन उस समय वह किसके घर में किराए पर रह रहा था, यह पता नहीं चला। पुलिस सूत्रों के मुताबिक नसीम का इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर साल 2019 में पासपोर्ट भी जारी हुआ है। सूत्रों के मुताबिक मो. नसीम साल 2015 में त्रिपुरा बॉर्डर से अवैध रूप से भारत में घुसा, और सीधे उन्नाव के गढ़ी इलाके में पहुंच गया। यहां स्लॉटर हाउस में काम करने लगा।थानाध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन जांच के दौरान पकड़ा गया है। उन्नाव से मामला जुड़ने पर जांच की जा रही है।

एक स्लॉटर हाउस के प्रेसिडेंट तनवीर ने बताया कि किसी ठेकेदार के अंडर में नसीम काम कर रहा हो तो मुझे जानकारी नहीं है। हर तीन माह में फैक्टरी श्रमिकों की जानकारी खुफिया विभाग को दी जाती है।

मोर्केल ने एशिया कप से पहले कुलदीप की जमकर तारीफ की, कहा- वह एक बहुत ही पेशेवर एथलीट

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने एशिया कप 2025 के शुरुआती मैच से पहले कुलदीप यादव की प्रशंसा की। कुलदीप ने पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से सबसे छोटे प्रारूप टी20 में मेन इन ब्लू के लिए नहीं खेला। उन्हें आगामी महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए टीम की 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है।

बाएं हाथ के स्पिनर को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम में चुना गया था। लेकिन किसी भी मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। कुलदीप उम्मीद करेंगे कि एशिया कप में ऐसा न हो खासकर इसलिए क्योंकि टूर्नामेंट यूएई में हो रहा है और वहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों की तुलना में स्पिनरों के लिए ज्यादा अनुकूल हैं। मोर्केल ने कहा, मुझे लगता है कि वह एक बेहद पेशेवर खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में खेलने के बाद से उनका रवैया ऐसा ही है। जहां उन्हें बहुत कम खेलने का मौका मिला और अब भी वह वही खिलाड़ी हैं जो ओवर डालते हैं। उन्होंने आगे कहा, और मेरे लिए कुलदीप जैसा कि मैंने कहा उसने अपने करियर में बहुत सारे ओवर फेंके हैं। वह जानता है कि टी20 और सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए उसे क्या करना है और जैसा कि मैंने कहा हम केवल वही नियंत्रित कर सकते हैं जो हम अभी नियंत्रित कर सकते हैं और वह है जब हम अभी प्रशिक्षण करते हैं और जब हमारे सत्र होते हैं तो यह केंद्रित होता है इसके पीछे एक उद्देश्य होता है और हमारे पास लक्ष्य होते हैं। कुलदीप हाल ही में दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन के लिए खेलते हुए नजर आए। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ प्लेऑफ में हिस्सा लिया था। लेकिन दोनों पारियों में प्रभावित करने में नाकाम रहे। 30 वर्षीय इस गेंदबाज ने मैच के दौरान 32 ओवर फेंके और कोई विकेट नहीं ले पाए।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की तिकड़ी में अभी काफी क्रिकेट बची है: हेजलवुड

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि आगामी एशेज श्रृंखला में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की खतरनाक तेज गेंदबाजी तिकड़ी आखरी बार एक साथ खेलते हुए दिखेगी। उन्होंने कहा कि तीनों तेज गेंदबाजों में अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेल सकते हैं। इन तीनों तेज गेंदबाजों की उम्र 35 वर्ष के आसपास है। कमिंस कमर में खिंचाव की चोट से जूझ रहे हैं तथा स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है। हेजलवुड ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद करता है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं। उन्होंने कहा, 'अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी है। इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक मैच होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर कोई इनका हिस्सा बनना चाहता है। हमारे पास टेस्ट क्रिकेट को देने के लिए अभी काफी कुछ बचा है।

FIFA World Cup:

टोनाली ने विश्व कप क्वालिफाइंग मैच में इटली को दिलाई जीत, इस्राइल को दी शिकस्त

डेब्रेसेन (हंगरी), एजेंसी। इटली ने अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। सैंड्रो टोनाली के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से इटली ने यूरोपीय फ़ुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग में सोमवार को इस्राइल के खिलाफ नौ गोल वाले रोमांचक मुकाबले में 5-4 से जीत हासिल की। इस तरह से इटली ने अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा।

जून में नॉर्वे से 3-0 की हार के बाद इटली का क्वालिफिकेशन अभियान मुश्किल में पड़ गया था। उसकी मुश्किल तब और बढ़ गई थी जब तटस्थ स्थल हंगरी में खेले गए मैच में इस्राइल ने दो गोल की बढ़त हासिल कर ली थी। इटली ने मोइज कीन के दो गोल की मदद से बराबरी की। इसके बाद 59वें मिनट में माटेओ पोलिटानो ने माटेओ रेटेगुई ने इटली को बढ़त दिलाई और जियाकोमो रास्पाडोरी ने चौथा गोल किया। लेकिन इस्राइल ने दो मिनट में दो गोल करके स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। उसकी तरफ से डोर पेरेट्ज ने दो गोल किए। इसके बाद टोनाली ने खेल समाप्ति से एक मिनट पहले गोल करके इटली को पूरे अंक दिलाए। यूरोपीय क्वालिफाइंग के अन्य मैच में कोसोवो ने स्वीडन को 2-0 से, स्विट्जरलैंड ने स्लोवेनिया को 3-0 से, डेनमार्क ने यूनान को 3-0 से, स्कॉटलैंड ने बेलारूस को 2-0 से और क्रोएशिया ने मोंटेनेग्रो को 4-0 से हराया।

एशिया कप से पहले सूर्यकुमार यादव की चेतावनी

संभल जाए पाकिस्तान, वरना भुगतना होगा अंजाम

दुबई, एजेंसी। एशिया कप का आयोजन इस बार यूएई में किया जा रहा है। टीम इंडिया इस टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आ रही है। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। यह मैच 14 सितंबर को होगा। इस महामुकाबले से पहले भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान को हल्के अंदाज में चेतावनी दी है। उन्होंने साफ किया कि उनकी टीम मैदान पर हमेशा आक्रामक रहेगी।

भारत इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत बुधवार को मेजबान यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान का पहला मैच शुक्रवार को ओमान से होगा। एशिया कप शुरू होने से पहले मीडिया से बात करते हुए सूर्यकुमार यादव ने कहा कि जब वे मैदान पर उतरते हैं तो आक्रामकता हमेशा रहती है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट बिना आक्रामकता के नहीं खेला जा सकता।

उन्होंने अपनी टीम की तैयारियों के बारे में बताया कि भले ही टीम ने जून के बाद ज्यादा टी-20 क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन आईपीएल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन और हाल ही में नेट पर बिताए गए समय से टीम पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि हम चुनौती स्वीकार करते हैं। देखते हैं कि यह कैसा होता है।जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम की रणनीति में कोई बदलाव होगा, तो भारतीय कप्तान ने एक मजेदार जवाब दिया, अभी तक सब बढ़िया चल रहा है, क्यों बिना मतलब का उंगली करना है। उनका कहने का मतलब था कि अगर सब कुछ ठीक चल रहा है तो बदलाव क्यों करें।

सूर्यकुमार की कप्तानी में पहली बड़ी परीक्षा

रोहित शर्मा के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव भारत के फुल-टाइम कप्तान बने हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने 22 में से 17 मैच जीते हैं, जो एक शानदार रिकॉर्ड है। एशिया कप सूर्या की कप्तानी में भारत का पहला मल्टी-नेशन टूर्नामेंट होगा, जो उनके लिए एक बड़ी परीक्षा साबित होगा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया काफी मजबूत नजर आ रही है।

टेबिल टेनिसः

अनन्या और दिव्यांशी की जोड़ी का दमदार प्रदर्शन, स्टार कंटेंडर में अंडर-15 युगल खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से जीत दर्ज की। अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में झाओ वैंगकी और ल्यु झिलिंग की चीन की जोड़ी को हराकर डब्ल्यूटीटी युवा स्टार कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट में अंडर-15 लड़कियों के युगल वर्ग का खिताब जीता। कड़े मुकाबले में अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से जीत दर्ज की। दबाव को झेलने और तनावपूर्ण क्षणों में आक्रामक जवाब देने की क्षमता भारतीय जोड़ी को पोडियम पर शीर्ष स्थान दिलाने में निर्णायक साबित हुई। इससे पहले सेमीफाइनल में इस जोड़ी ने हमवतन रियाना भूटा और अंकोलिका चक्रवर्ती को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-6) से हराया था। रियाना और अंकोलिका को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पीबी अभिनंद और ऋत्विक गुप्ता ने क्रमशः अंडर-19 और अंडर-15 बालक एकल वर्ग में रजत पदक जीते।

अभिनंद जापान के इवैडा शुंटो के खिलाफ सीधे गेम में 0-3 (6-11, 7-11, 8-11) से हार गए जबकि ऋत्विक को भी खिताबी मुकाबले में कोरिया के ली सेयुंगसू के खिलाफ 0-3 (8-11, 5-11, 8-11) से शिकस्त झेलनी पड़ी। अंडर-19 मिश्रित युगल में अभिनंद और सिंड्रेला दास की जोड़ी जबकि अंडर-15 बालक युगल में ऋत्विक और साहिल रावत की जोड़ी ने कांस्य पदक जीते। टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल छह पदक जीते।

पाकिस्तानी गेंदबाज उस्मान शिनवारी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के 31 वर्षीय तेज गेंदबाज उस्मान खान शिनवारी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान के लिए कुल 34 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इस क्रिकेटर ने दिसंबर 2019 में आखिरी बार पाकिस्तान की ओर से खेला था।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उस्मान खान शिनवारी ने साल 2013 में पाकिस्तान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया। टी20 फॉर्मेट के डेब्यू के बाद उन्हें वनडे और टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका भी मिला। शिनवारी ने पाकिस्तान की ओर से 17 वनडे मैच खेले, जिसमें 18.61 की औसत के साथ 34 शिकार किए। वहीं, 16 टी20 मुकाबलों में इस गेंदबाज ने 13 विकेट निकाले। इस तेज गेंदबाज ने दिसंबर 2019 में इकलौता टेस्ट मैच खेला। श्रीलंका के खिलाफ रावलपिंडी में आयोजित इस मुकाबले में शिनवारी ने 54 रन देकर सिर्फ एक ही विकेट अपने नाम किया था। इसके तुरंत बाद वह टीम से बाहर हो गए और अपना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी खो दिया। शिनवारी एसीसी पुरुष वनडे एशिया कप 2018 में पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे। अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज को अपने छोटे से कार्यकाल में ही कई बार पीठ की चोट का सामना करना पड़ा, जिसने उनके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के रास्ते बंद कर दिए।

वनडे फॉर्मेट में शिनवारी श्रीलंका के खिलाफ दो मुकाबलों में पांच शिकार कर चुके हैं। उन्होंने साल 2017 में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में 34 रन देकर पांच विकेट हासिल किए थे। इसके बाद साल 2019 में कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में 51 रन देकर पांच विकेट निकाले। बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज साल 2021 में रेड बॉल फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर चुका था। साल 2013 में डिपार्टमेंटल टी20 कप के फाइनल में किशोर शिनवारी ने सभी का ध्यान खींचा था। उन्होंने अपनी सीम और स्विंग के साथ 3.1 ओवरों में महज नौ रन देकर पांच विकेट हासिल किए थे। मिस्बाह-उल-हक की अगुवाई वाली एसएनजीपीएल टीम को इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था।

एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड को राहत, कंधे की चोट के बाद ट्रेनिंग पर लौटे स्टोक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड की टीम को बड़ी राहत मिली है। टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स कंधे की चोट के बाद ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड की टीमें पांच मुकाबलों की एशेज सीरीज 21 नवंबर से 8 जनवरी के बीच खेलेंगी। माना जा रहा था कि चोटिल होने के बाद यह अनुभवी ऑलराउंडर करीब छह या सात हफ्ते तक मैदान से दूर रह सकता है, लेकिन इंग्लैंड की काउंटी टीम डरहम के साथ नेट्स में ट्रेनिंग पर वापसी करते हुए स्टोक्स ने तमाम आशंकाओं को दूर कर दिया। डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने पुष्टि करते हुए बताया कि स्टोक्स ट्रेनिंग के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी के लिए लौट आए हैं। कैंपबेल ने बीबीसी रेडियो 5 लाइव पर कहा, स्टोक्स ट्रेनिंग पर वापस आ गए हैं। पिछले हफ्ते से उन्होंने बल्लेबाजी शुरू कर दी। उनका सेशन वाकई अच्छा रहा। उन्होंने करीब दो घंटे तक बल्लेबाजी की। उनकी बल्लेबाजी अच्छी नजर आ रही है, लेकिन उन्हें गेंदबाजी में अभी काफी समय लगेगा। कैंपबेल के मुताबिक, इंग्लैंड की टीम एशेज तभी जीत सकती है, जब स्टोक्स पांचों टेस्ट मैच खेलें और अच्छा प्रदर्शन करें, लेकिन उन्हें यकीन नहीं है कि स्टोक्स ऐसा कर पाएंगे। कैंपबेल ने कहा, स्टोक्स टीम की बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत बनाते हैं। वह तीसरे या चौथे तेज गेंदबाज के तौर पर एक शानदार विकल्प हैं। वह कई ओवर गेंदबाजी करते हुए आपको विकेट दिला सकते हैं। जिस तरह से वह अपनी लय हासिल करने की कोशिश करते हैं, उसे देखकर मुझे हैरानी होती है।

श्रीलंका 2019 के बाद पहली बार पाकिस्तान में ODI खेलेगा

- नवंबर में खेली जाएगी सीरीज; ट्राई सीरीज की भी मेजबानी करेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका की टीम इस साल नवंबर में वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी। दोनों देशों के बीच यह तीन मैचों की सीरीज 11 से 15 नवंबर 2025 के बीच रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। श्रीलंका की टीम 2019 के बाद पहली बार पाकिस्तान में कोई वनडे सीरीज खेलेगी। पिछली बार जब श्रीलंका ने पाकिस्तान का दौरा किया था, तब तीन वनडे खेले गए थे, जिसमें पाकिस्तान ने 2-0 से सीरीज अपने नाम की थी। पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

आईएसएसएफ विश्व कप के पहले दिन भारतीय निशानेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन

निंगबो (चीन), एजेंसी। सुरभि राव और युवा अमित शर्मा की जोड़ी 10 मीटर एयर पिस्टल में 594 के कुल क्वालीफिकेशन राउंड स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रही। सुरभि ने 284 जबकि शर्मा ने 290 का स्कोर किया।

भारत का आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में पहले दिन निराशाजनक प्रदर्शन रहा क्योंकि उसकी 10 मीटर एयर पिस्टल और राइफल मिश्रित टीमें मंगलवार को यहां फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहीं। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दोनों भारतीय जोड़ियां क्वालीफिकेशन में क्रमशः 11वें और 13वें स्थान, जबकि 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में 14वें और 34वें स्थान पर रही। सुरभि राव और युवा अमित शर्मा की जोड़ी 10 मीटर एयर पिस्टल में 594 के कुल क्वालीफिकेशन राउंड स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रही। सुरभि ने 284 जबकि शर्मा ने 290 का स्कोर किया। चीन ने 585 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान प्राप्त किया तथा स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में चेक गणराज्य को 17-5 से हराया। ओलंपियन रिदम सांगवान और निशांत रावत की अन्य भारतीय जोड़ी 21 टीमों में 571 अंक के साथ 13वें स्थान पर रही। रिदम ने 299 अंक बनाए, जबकि 23 वर्षीय रावत 282 अंक ही बना पाए।

10 मीटर एयर राइफल में, एशियाई खेलों की व्यक्तिगत कांस्य पदक विजेता रमिता जिंदल और मदीनेनी उमामहेश की जोड़ी 628.6 अंक के साथ 14वें स्थान पर रही। रमिता ने 312.9 जबकि उमामहेश ने 315.7 अंक बनाए। पेंग शिनलू (318.5) और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शेंग लिहाओ (318.4) की चीनी जोड़ी ने 636.9 का विश्व रिकॉर्ड स्कोर बनाकर क्वालीफिकेशन राउंड में शीर्ष स्थान हासिल किया।

10 सितंबर का ऐतिहासिक दिन, जब रियो पैरालंपिक में दो भारतीयों ने लहराया तिरंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल जगत के लिए 10 सितंबर यादगार है। इसी दिन रियो पैरालंपिक के एक ही इवेंट में भारत के दो खिलाड़ियों ने पदक जीते थे।

यह बात साल 2016 की है। मौका रियो पैरालंपिक का है। 10 सितंबर के दिन मरियप्पन थंगावेलु ने पुरुषों की ऊंची कूद के टी42 इवेंट में 1.89 मीटर की जंप के साथ नया पैरालंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए देश के लिए गोल्ड जीता।

इसी के साथ मरियप्पन ऊंची कूद में पैरालंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने। 28 जून 1995 को सलेम स्थित एक छोटे से गांव में जन्मे मरियप्पन बेहद गरीब परिवार से थे। छह बच्चों के सिर से पिता का साया उठ चुका था। ऐसे में मां दिहाड़ी मजदूरी करने के अलावा सब्जी बेचकर किसी तरह परिवार का पेट भरती। जब मरियप्पन महज पांच साल के थे, तब एक हादसे ने उनकी जिंदगी ही बदल दी। नशे में धुत एक बस ड्राइवर ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसके चलते उनके दाहिने पैर का घुटना कुचल गया। इसी हादसे ने मरियप्पन को लकड़ी के सहारे चलने को मजबूर कर दिया। मरियप्पन को खेल बहुत पसंद था। एक शिक्षक ने उन्हें ऊंची कूद के लिए प्रेरित किया और स्थानीय प्रतियोगिताओं में मरियप्पन ने खुद को साबित कर दिया। साल 2015 में सत्यनारायण ने उन्हें बेंगलुरु स्थित अपने ट्रेनिंग कैंप में शामिल किया और उनके मार्गदर्शन में इस खिलाड़ी ने देश के लिए पदक जीता। मरियप्पन को साल 2017 में पद्म श्री और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

साल 2020 में उन्हें मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार से नावाजा गया। जिस इवेंट में मरियप्पन थंगावेलु ने गोल्ड जीता, उसी इवेंट में वरुण सिंह भाटी ने 1.86 मीटर की कूद के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। यह व्यक्तिगत तौर पर उनका सर्वश्रेष्ठ था। 13 फरवरी 1995 को ग्रेटर नोएडा में जन्मे वरुण भाटी का पहला प्यार बास्केटबॉल था, लेकिन पोलियो के चलते वह इस खेल में अपने करियर को आगे नहीं बढ़ा सके।

वरुण भाटी खेलों में देश का नाम रोशन करना चाहते थे। ऐसे में उन्हें कोच ने ऊंची कूद के लिए प्रेरित किया। भाटी स्कूल के दिनों में ही इस खेल के लिए घंटों प्रैक्टिस करने लगे। इस बीच परिवार भी उनका भरपूर सपोर्ट कर रहा था। वरुण भाटी अपने शानदार खेल के साथ एक के बाद एक मेडल जीतते गए और पैरालंपिक गेम्स में अपनी जगह बनाई। उन्होंने पैरालंपिक में पदक जीतकर कई खिलाड़ियों को प्रेरित किया।